RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 05 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 17 अक्टूबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

भारत की पहली एल्यूमीनियम की बोगियों वाली मालगाड़ी रवाना, रेल मंत्री ने दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। देश में पहली बार मालगाड़ी के डिब्बे एल्युमिनियम के बनाए गए हैं। एल्युमिनियम से बने डिब्बों वाली मालगाड़ी को रेल, संचार व इलेक्ट्रॉनिक्स एवम सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखा कर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए रवाना किया । भारतीय रेलवे ने RDSO, BESCO और Hindalco की मदद से ये रैक तैयार करवाए हैं। ये रैक मेक इन इंडिया के तहत बनाए गए हैं । यह मालगाड़ी सोमवार को बिलासपुर पहुंचेगी।

इस रैक का कोयले के माल लदान के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न कोल साइडिंग में लदान के लिए उपयोग किया जाएगा। नए बने एल्युमिनियम रैक के सुपरस्ट्रक्चर पर कोई वेल्डिंग नहीं है। ये पूरी तरह लॉकबोल्टेड हैं। एल्युमिनियन रैक की खासियत ये है कि ये सामान्य स्टील रेक से हल्के हैं और 180 टन अतिरिक्त भार ढो सकते हैं। कम किए गए टीयर वेट से कार्बन फुटप्रिंट कम हो जाएगा क्योंकि खाली दिशा में ईंधन की कम खपत और भरी हुई स्थिति में माल का अधिक परिवहन होगा। यानि कि समान दूरी और समान भार क्षमता के लिए यह सामान्य और परंपरागत

रैक की तुलना में इसमें कम ईंधन की खपत होगी। इससे ईंधन की भी बचत करेगा और इससे कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा। एक एल्युमिनियम रैक अपने सेवा काल में करीब 14,500 टन कम कार्बन उत्सर्जन करेगा । कुल मिलाकर यह रैक ग्रीन और कुशलतम रेलवे की अवधारणा को पूरा करेगा । इन एल्युमिनियम रैक की रीसेल वैल्यू 80त्न है। एल्युमिनियम रैक सामान्य स्टील रैक से 35 प्रतिशत महंगे हैं, क्योंकि इसका पूरा सुपर स्ट्रक्चर एल्युमिनियम का है । एल्युमिनियम रेक की उम्र भी सामान्य रेक से 10 साल ज़्यादा है । इसका मेंटेनेन्स कॉस्ट भी कम है, क्योंकि इसमें जंग और घर्षण के प्रति अधिक प्रतिरोधी क्षमता है।

आधुनिकीकरण अभियान में मील का पत्थर

इन एल्युमिनियम फ्रेट रैक बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण अभियान में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि एल्युमिनियम पर स्विच करने से कार्बन फुटप्रिंट में काफी कमी आएगी। वहीं एक अनुमान के मुताबिक, केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए जाने वाले 2 लाख रेलवे वैगनों में से पांच फीसदी अगर एल्युमिनियम के हैं तो एक साल में लगभग 1.5 करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन तो बचाया जा सकता है। यह डिब्बे विशेष रूप से माल ढुलाई के लिए डीजाइन किए गए हैं।

इसमें स्वचालित स्लाइडिंग प्लग दरवाजे लगे होते हैं और आसान संचालन के लिए लॉकिंग व्यवस्था के साथ ही एक रोलर क्लोर सिस्टम से लैस होते हैं। स्टील के बने परंपरागत रैक निकेल और कैडमियम की बहुत अधिक खपत करता है जो आयात से आता है, तथा इससे देश की निर्भरता विदेशों पर बढ़ती है। एल्युमीनियम वैगनों के प्रसार के परिणामस्वरूप कम आयात होगा तथा स्थानीय एल्युमीनियम उद्योग के लिए बेहतर अवसर साबित होगा तथा इससे देश के विदेशों पर निर्भरता कम होगी।

विशेष...

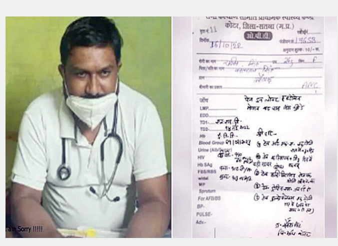

सीएम की अपील के बाद मेडिकल ऑफिसर ने कर दी शुरुआत, हिन्दी में लिखा मरीज का प्रिस्क्रिप्शन, डॉक्टर के साथ पर्ची में भी चर्चा में

सतना। एमबीबीएस की पढ़ाई हिन्दी मे शुरू होने के बाद मध्यप्रदेश में अब मरीज की प्रिस्क्रिप्शन भी हिन्दी में लिखा जाने लगा है। इसकी शुरुआत रविवार को सतना जिले से कर दी गई। यहां के एक मेडिकल ऑफिसर ने हिन्दी में मरीज का प्रिस्क्रिप्शन लिखा। इस पहल के बाद डॉक्टर व उसकी पर्ची दोनों ही चर्चा में है। सतना जिले के कोटर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ डॉ. सर्वेश सिंह ने यह प्रिस्क्रिप्शन लिखा है।

बता दें रविवार को मध्यप्रदेश में रविवार को मेडिकल की पढ़ाई हिन्दी में शुरू कर दी गई। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इसकी शुरुआत करते हुए यहां हिन्दी की मेडिकल किताबों का विमोचन भी किया। इस दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिव राज सिंह चौहान ने अपने भाषण में कहा था कि डॉक्टर यह प्रयास करें कि दवाइयां भी हिन्दी में लिखी जाएं। सीएम की इस अपील का असर सतना में देखने को मिला। सतना के डॉ. सर्वेश ने इस अपील को गंभीरता से लिया और रविवार से ही इसे शुरू कर दिया।

इस पहल को लेकर डॉ. सर्वेश ने बताया कि उन्होंने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह का लाइव कार्यक्रम देखा और मुख्यमंत्री के भाषण को भी सुना। सीएम के कहने पर हमने इसकी शुरुआत की। पेट दर्द से पीड़ित रश्मि सिंह पहली पेशेंट बनी जिसकी दवाइयां हिन्दी में लिखी गईं। मेडिकल ऑफिसर ने पर्ची में पूरी केस हिस्ट्री भी हिन्दी में लिखी। दवाइयां लिखने से पहले डॉक्टर ने आरएक्स की जगह श्री हरि का लिखा। डॉक्टर ने प्रिस्क्रिप्शन पर 5 किस्म की दवाइयां लिखीं वो भी सभी हिन्दी में लिखीं।

आज से 227 तहसील और 108 अनुविभाग नामांतरण पोर्टल का नया वर्जन भी हुआ शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब तहसीलों की संख्या बढ़कर 227 हो गई है। वहीं प्रदेश में अनुविभाग भी बढ़कर 108 हो गए हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सोमवार को अपने निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश में नवगठित 10 राजस्व अनुविभाग व 25 नई तहसीलों का उद्घाटन किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ऑनलाईन नामांतरण पोर्टल के नए वर्जन का भी शुभारंभ भी किया।

मुख्यमंत्री बघेल कार्यक्रम के दौरान 25 नवीन तहसीलों मंदिरहसौद, धरसींवा, बेलरगांव, कोमाखान, सोनाखान, टुण्डरा, अमलीपदर, बेलतरा, जरहागांव, दीपका, मुकड़ेगा, कोटाडोल, पोड़ी (बचरा), औंधी, खड़गांव, साल्हेवारा, लालबहादुर नगर, मर्री बंगला (देवरी), देवकर, भिंभौरी, नानगुर, भानपुरी, तोंगपाल, मर्दापाल, धनोरा का उद्घाटन किया। इन तहसीलों के उद्घाटन के बाद प्रदेश में तहसीलों की संख्या बढ़कर 227 हो जाएगी। इसी प्रकार नये अनुविभाग तिल्दा नेवरा, बागबाहरा, मालखरौदा, धमधा, बलरामपुर, राजपुर, भरतपुर, खड़गवां, भोपालपट्नम और भैरमगढ़ का उद्घाटन किया। इन अनुविभागों के उद्घाटन के बाद प्रदेश में 108 अनुविभाग होंगे।

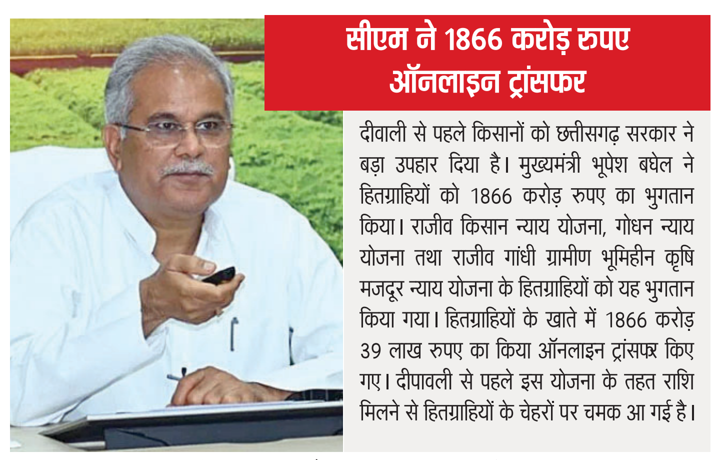

सीएम ने 1866 करोड़ रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर

दीवाली से पहले किसानों को छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़ा उपहार दिया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हितग्राहियों को 1866 करोड़ रुपए का भुगतान किया। राजीव किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना तथा राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के हितग्राहियों को यह भुगतान किया गया। हितग्राहियों के खाते में 1866 करोड़ 39 लाख रुपए का किया ऑनलाइन ट्रांसफ़र किए गए। दीपावली से पहले इस योजना के तहत राशि मिलने से हितग्राहियों के चेहरों पर चमक आ गई है।

नामांतरण पोर्टल के नये वर्जन का शुभारंभ

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सोमवार को अपने निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में प्रदेश में अविवादित नामांतरण एवं खाता विभाजन प्रकरणों के त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के तैयार किए गए ऑनलाईन नामांतरण पोर्टल के नया वर्जन का शुभारंभ किया। पोर्टल के माध्यम से पंजीयन कार्यालय एवं नागरिकों से प्राप्त ऑनलाईन आवेदन नामांतरण पंजी में स्वतः दर्ज होगा। जिसके पश्चात क्रेता से राजस्व न्यायालय अथवा ग्राम पंचायतों में नामांतरण किए जाने के संबंध में विकल्प लिया जाएगा। विकल्प के पश्चात आम ईश्तहार एवं व्यक्तिशः सूचना की प्रति विभागीय वेबसाइट में उपलब्ध होगी। नए वर्जन में पक्षकारों को प्रकरण दर्ज होने, प्रत्येक पेशी तारीख तथा आदेश पारित होने की तारीख एवं अभिलेख दुरूस्ती होने की सूचना एसएमएस के माध्यम से दी जाएगी। प्रकरण में आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आदेश पारित किया जाएगा। आदेश पारित होने के 07 दिवस के भीतर हल्का पटवारी द्वारा अभिलेख दुरूस्ती कर डिजिटल हस्ताक्षर से सत्यापन किया जाएगा। इससे आम नागरिकों के समय की बचत होगी एवं न्यायलयीन प्रकरणों का शीघ्र निराकरण होगा।

उपचुनाव में नया मोड़, विधायक की अपील-ठाकरे गुट की प्रत्याशी को निर्विरोध जिताएं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे व उद्धव ठाकरे गुट के बीच पहली चुनावी जंग में नया मोड़ आ गया है। मुंबई के उपनगर अंधेरी की पूर्वी विधानसभा सीट पर 3 नवंबर को उपचुनाव होने जा रहा है। शिंदे व ठाकरे दोनों गुटों के लिए यह सीट नाक का सवाल है। इस बीच, शिंदे गुट के ही एक विधायक ने ठाकरे गुट की प्रत्याशी रुतुजा लटके का समर्थन कर दिया है। इतना ही नहीं, उन्होंने लटके को निर्विरोध जिताने की अपील भी की है।

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने रुतुजा लटके को अंधेरी पूर्व विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए अपना प्रत्याशी बनाया है। लटके दिवंगत शिवसेना विधायक रमेश लटके की पत्नी हैं। शिंदे खेमा इसे प्रतिष्ठा की लड़ाई बता रहा है और पूरी ताकत से चुनाव मैदान में डटा है, ताकि ठाकरे को चुनाव में शिकस्त दी जा सके।

इस बीच, शिंदे खेमे के एक विधायक ने रविवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर उनकी मुसीबत बढ़ा दी। इस विधायक ने शिंदे से अनुरोध किया है कि वे रुतुजा लटके को निर्विरोध जिताने के लिए भाजपा से चर्चा करें।

लटके के बीएमसी से इस्तीफे का मामला हाईकोर्ट तक पहुंचा

ठाकरे गुट ने रुतुजा लटके को बीएमसी से इस्तीफा दिलाकर प्रत्याशी बनाया है। बीएमसी उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं कर रही थी, इसलिए यह मामला बॉम्बे हाईकोर्ट तक पहुंचा था। गत गुरुवार को हाईकोर्ट ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को निर्देश दिया कि वह रुतुजा लटके का इस्तीफा मंजूर करे। इसके बाद लटके की उम्मीदवारी का रास्ता साफहो गया। कहा जा रहा था कि शिंदे सरकार बीएमसी पर इस्तीफा मंजूर नहीं करने के लिए दबाव डाल रही थी। हालांकि बीएमसी प्रमुख इकबाल सिंह चहल ने ऐसे किसी दबाव से इनकार किया है।

पति भी उद्धव ठाकरे के प्रति वफादार थे, मैं भी रहूंगी

उधर, रुतुजा लटके का कहना है कि उनके पति रमेश लटके भी उद्धव ठाकरे के प्रति वफादार थे और वह भी रहेंगी। चुनाव लड़ूंगी तो उद्धव ठाकरे की पार्टी से ही। लटके की आकस्मिक मृत्यु के बाद अंधेरी पूर्व के लिए उपचुनाव हो रहा है।

राज ठाकरे ने की भाजपा से अपील, फडणवीस बोले- विचार करेंगे

मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने भी लटके की उम्मीदवारी के समर्थन के लिए महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है। फडणवीस ने कहा कि उन्हें राज ठाकरे का पत्र मिला है और वे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ विचार करेंगे। ठाकरे ने फडणवीस से अनुरोध किया था कि वे दिवंगत विधायक रमेश लटके की पत्नी के खिलाफ अंधेरी पूर्व उपचुनाव में भाजपा की तरफ से उम्मीदवार न उतारें।

ईडी ने महिला आईएएस पर कसा शिकंजा, बिना सूचना दिए राज्य से बाहर जाने पर लगाई रोक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम भ्रष्टाचार और अवैध लेनदेन पर लगातार सरकारी अधिकारियों और कारोबारियों पर शिकंजा कसती जा रही है। ईडी ने रायगढ़ कलेक्टर आईएएस रानू साहू के बिना सूचना दिए राज्य से बाहर जाने पर रोक लगा दी। ईडी ने आईएएस रानू साहू के कार्यकाल के कुल चार साल का डेटा रिकवर किया है। कोरबा जिले के साथ ही रायगढ़ में कलेक्टर रहते हुए उनके कार्यकाल के सारे डेटा खंगाले जा रहे हैं। बतां दें कि ईडी की टीम ने कोरबा के साथ ही रायगढ़ कलेक्ट्रेट में छापेमार कार्रवाई की थी। वहीं आईएएस के बंगले पर भी छापा मारकर कई अहम दस्तावेज जब्त किए हैं।

कलेक्टर का लिया बयान

तलाशी के दौरान बरामद किए गए दस्तावेजो के संबंध में कलेक्टर रानू साहू से पूछताछ कर बयान लिया गया है। वहीं रायगढ़ कलेक्ट्रेट कार्यालय और कोरबा के माइनिंग और डीएमएफशाखा में पदस्थ कर्मचारियों का बयान भी लिया गया है। जब्त किए गए सभी दस्तावेजों को रायपुर स्थित ईडी कार्यालय लाया गया है। इसकी जांच करने के बाद मिले इनपुट के आधार पर संदेह के दायरे में आने वाले सभी लोगों को पूछताछ के लिए बुलवाया जाएगा।

डेटा किया रिकवर

ईडी की टीम ने कोरबा के कलेक्ट्रेट स्थित माइनिंग व डीएमएफशाखा से 4 वर्ष का डेटा रिकवर किया है। ईडी ने खनिज विभाग से जारी किए डिलीवरी ऑर्डर की फाइलों की जांच की और कुछ दस्तावेज अपने साथ ले गई। डेटा रिकवर करने के साथ ही सभी की फोटो कॉपी भी कराई गई है। ईडी ने 60 घंटे की जांच पूरी करके रायगढ़ कलेक्टर रानू साहू के बंगले-कलेक्ट्रेट स्थित दफ्तर, कोरबा स्थित माइनिंग और डीएमएफ शाखा से बड़ी संख्या में दस्तावेज जब्त किए गए हैं। इनकी जांच करने के बाद संबंधित अधिकारी और कारोबारी को पूछताछ के लिए बुलवाया जाएगा।

रायपुर के 'हैप्पी स्ट्रीट' और भिलाई की 'तफरी'

श्रीकंचनपथ

शहरी आबादी को आज सबसे ज्यादा मार रहा है 'स्ट्रेस'. बच्चों से लेकर बड़ों तक को किसी न किसी बात का स्ट्रेस है. किशोरवय के लोगों में अब टाइप-टू डायबिटीज और दिल की समस्या देखी जा रही है. स्ट्रेस का सफलता या विफलता से कोई लेना देना नहीं है. सफल लोगों को भी स्ट्रेस हो सकता है. अगस्त से अक्तूबर 2022 के बीच कम से कम छह सफल अभिनेत्रियों की आत्महत्या इसका सबूत है. इनमें बंगाली फिल्म-टीवी जगत की तीन, ओड़िया मनोरंजन जगत की एक तथा मुम्बई टीवी सर्किट की दो अभिनेत्रियां शामिल हैं. स्ट्रेस को दूर करने का सबसे सस्ता, सुन्दर और टिकाऊ फार्मूला है - फिजिकली एक्टिव रहना. सही समय पर सोना और सही समय पर उठना. इसे लेकर एक पहल भिलाई में हुई थी पर वह टुच्ची राजनीति का शिकार हो गई. 'तफरी' के नाम से शुरू हुई यह एक्टिविटी अब भी क्यों बंद है, यह सवाल पूछा जा सकता है. यह मुद्दा आज खास इसलिए कि रायपुर में हैप्पी स्ट्रीट खोले जा रहे हैं. हालांकि इसका आइडिया सरकार को दो साल पहले ही आ गया था पर कोरोना काल के कारण तब इसपर आगे काम नहीं हो पाया. अब जबकि सबकुछ ठीकठाक हो गया है तो इसपर दोबारा काम शुरू हो गया है. हैप्पी स्ट्रीट दो तरह के होंगे. एक तो वो जो कम ट्रैफिक वाले इलाकों में रोजाना हैप्पिनेस देंगे. दूसरे वो इलाके जो सप्ताह के आम दिनों में व्यस्त रहते हैं पर वीकेंड में लगभग खाली होते हैं. ये सड़कें वीकेंड पर हैप्पीनेस स्ट्रीट का काम करेंगी. पर हैप्पीनेस का फलसफा यहां पर 'तफरी' से जुदा है. 'तफरी' जहां खेलकूद, जुम्बा और स्ट्रीट डांस से जुड़ी एक मनोरंजक पहल थी वहीं रायपुर में खाना पीना, चाट चौपाटी को थीम बनाया गया है. लोग यहां आनंदित जरूर पो पाएंगे पर उनके स्वास्थ्य पर इसका कोई बहुत पाजीटिव इम्पैक्ट पड़ेगा, इसकी उम्मीद कम ही है. पर इसमें एक बात यह अच्छी होगी कि लोग घरों में बैठकर मोबाइल कोचकने की बजाय सड़कों पर निकलकर लोगों से मिलेंगे. शहर के भीतर ही सही थोड़ा पैदल चलेंगे, सैर सपाटा करेंगे. 'स्ट्रेस' कम करने में सरकार की यह पहल जरूर मददगार साबित होगी. दूसरी अच्छी बात यह होगी कि यहां के फूडजोन में लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे. कुछ इलाके साइकिल चलाने के लिए सुरक्षित रहेंगे जिसका लाभ स्वास्थ्य के लिए लिया जा सकेगा. व्यापार और राजनीति के इस शहर में थोड़ी सी जिन्दगी भी लौटेगी. वरना आलम यह है कि जिस किसी भी सरकारी अधिकारी की तैनाती एक बार भिलाई में हो गयी, वह यहीं का होकर रह गया. फिर उसका तबादला चाहे जहन्नुम में हो जाए, वह भिलाई का आवास नहीं छोड़ता. उम्मीद की जा सकती है कि शीत ऋतु के आगमन के साथ ही अपनी 'तफरी' एक बार फिर धूम मचाएगी.

संपादकीय

चूहों में मानव दिमाग

मानव दिमाग या मस्तिष्क अभी भी कुछ हद तक रहस्य का विषय है और उसकी खोज में वैज्ञानिकों की एक बड़ी जमात लगी हुई है। इसी खोज के तहत पहली बार मानव मस्तिष्क के एक छोटे हिस्से को चूहों में लगाने में कामयाबी मिली है। इससे पहले भी ऐसे ही प्रयोग की कोशिशें हुई थीं, लेकिन चूहों के शरीर या दिमाग ने मानव हिस्से को स्वीकार नहीं किया था। नैतिकता को लेकर भी बहस तेज हो जाएगी, लेकिन इसमें गौर करने की बात यह है कि मस्तिष्क किसी जीवित या मृत मानव से नहीं लिया गया है। प्रयोगशाला में विकसित मानव मस्तिष्क के ऊतकों के छोटे-छोटे या कुछ मिलीमीटर व्यास के हिस्सों को चूहे के दिमाग में प्रत्यारोपित किया गया है। इसे स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने मानव स्टेम कोशिकाओं को ऊतक के त्रि-आयामी गुच्छों में विकसित करके तैयार किया है। ब्रेन ऑर्गेनॉइड कहे जाने वाले इन सरलीकृत दिमागी संरचनाओं में वास्तविक मानव मस्तिष्क की कुछ कोशिकाएं और गुण मौजूद हैं, जो चूहों के विकास व तंत्रिका संबंधी संरचना पर असर डाल सकते हैं। यह बड़ी कामयाबी है कि इस बार प्रयोग ने काम किया है। ऑर्गेनॉइड ने जानवरों के मस्तिष्क सर्किट के साथ संबंध बना लिए हैं, आने वाले दिनों में चूहों पर इसका असर दिख सकता है। बताया जाता है कि स्टैनफोर्ड की टीम ने मानव कोशिकाओं के समूहों को नवजात चूहों के सोमैटोसेंसरी कॉर्टिस में प्रत्यारोपित किया, यह दिमाग का वह हिस्सा होता है, जो पूरे शरीर से संवेदी सूचनाओं, जैसे स्पर्श इत्यादि को संसाधित या 'प्रोसेस' करता है। मानव मस्तिष्क ने चूहों के मस्तिष्क के एक तिहाई हिस्से पर कब्जा कर लिया है। नेचर पत्रिका में प्रकाशित विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिक उन चूहों का गहराई से अध्ययन कर रहे हैं। इससे मस्तिष्क पर हो रहे प्रयोगों को बहुत बल मिलने वाला है। वैज्ञानिकों की इस टीम ने अपने पहले के प्रयोग में देखा था कि मानव हिस्सा चूहों में सफलतापूर्वक परिपक्व नहीं हो पाया। इसलिए इस बार मानव मस्तिष्क के हिस्से को चूहों की संरचना के अनुरूप ही तैयार किया गया। नवजात चूहों पर यह प्रयोग किया गया है और प्राप्त सफलता साफ बताती है कि इस तरह का प्रयोग वयस्क हो चुके मस्तिष्क पर अभी कामयाब नहीं होगा। किसी वयस्क मस्तिष्क में ऐसे प्रयोग को कामयाब बनाने में वैज्ञानिकों को और मेहनत करने की जरूरत पड़ेगी। स्टैनफोर्ड के शोधकर्ताओं ने अपने कुछ ऑर्गेनॉइड को टिमोथी सिंड्रोम के रोगियों से ली गई कोशिकाओं से विकसित किया है, यह एक गंभीर आनुवंशिक बीमारी है। अगर प्रयोगशाला में पलने वाले चूहों में इस बीमारी के प्रभाव का अध्ययन किया जा रहा है, तो फिर अन्य दिमागी रोगों के अध्ययन में भी लाभ मिलना तय है। अभी मानव मस्तिष्क पर सीधे काम करना या प्रयोग करना खतरे से खाली नहीं है, इसलिए वैज्ञानिकों ने मानसिक रोगों के अध्ययन में चूहों से सहयोग लेना तय कर रखा है। चूहों के मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय गया है, जो इनाम चाहते हैं। खैर, मानव मस्तिष्क के मटर से भी छोटे आकार के हिस्से का प्रयोग हो रहा है। एक आशंका यह भी है कि प्रयोग चूहों के हित में नहीं है और चूहों में अवांछित असर भी दिख सकता है। बहरहाल, वैज्ञानिक प्रमाण खोज रहे हैं, चूहों पर बुरा असर हुआ, तो विवाद होगा, लेकिन अगर चूहों पर सामान्य असर हुआ और चिकित्सा विज्ञान समृद्ध हुआ, तो पूरी दुनिया स्वागत करेगी।

> “ मानव मस्तिष्क ने चूहों के मस्तिष्क के एक तिहाई हिस्से पर कब्जा कर लिया है। नेचर पत्रिका में प्रकाशित विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिक उन चूहों का गहराई से अध्ययन कर रहे हैं। इससे मस्तिष्क पर हो रहे प्रयोगों को बहुत बल मिलने वाला है। वैज्ञानिकों की इस टीम ने अपने पहले के प्रयोग में देखा था कि मानव हिस्सा चूहों में सफलतापूर्वक परिपक्व नहीं हो पाया। इसलिए इस बार मानव मस्तिष्क के हिस्से को चूहों की संरचना के अनुरूप ही तैयार किया गया।

दुनिया कौन बदलता है

लोगों का मानना है कि सामाजिक कार्यकर्ता व सेवक दुनिया को बदल देते हैं और इसलिए उन्हें समाज द्वारा सम्मानित किया जाता है। मानवता की सेवा करना कई धर्मों का मूलभूत हिस्सा है। लेकिन इन सभी सेवाओं के बावजूद मानवता जस की तस है, क्योंकि यह सेवा सतही है। गरीबों को कंबल या दवाएं दान करना, स्कूल खोलना, यकीनन अच्छे काम हैं, लेकिन ये पर्याप्त नहीं हैं। वस्तुत: मानवता कोई एक हस्ती नहीं है, यह एक सामूहिक नाम है, जो मनुष्य को दिया हुआ है। व्यक्ति एक सच्चाई है, इसलिए बदलना हो, तो एक-एक व्यक्ति को बदलना चाहिए। यह काम कैसे होगा? यह हमेशा परोक्ष रूप से होता है। आप जाकर किसी को सीधे नहीं बदल सकते। यह मनोविज्ञान है कि जब आप किसी को जबरदस्ती बदलना चाहते हैं, तो उसका अहं इसका विरोध करता है। उसे ठेस लगती है, क्योंकि देने वाला उच्च स्तर पर है और लेने वाला निचले स्तर पर। प्रभावी सेवा हमेशा अप्रत्यक्ष, गुप्त होती है। कोई करता नहीं है, लेकिन उनकी मौजूदगी से ही लोग बदलना शुरू करते हैं। ओशो ने एक अनूठा पहलू सामने रखा है। वह कहते हैं, 'दुनिया को ऐसे लोग बदल सकते हैं, जिन्हें दुनिया में कोई दिलचस्पी नहीं है। जो इस दुनिया में ऐसे जीते हैं, जैसे पानी में कमल। उनके लिए यह दुनिया सिर्फ एक सपना है। उन्हें समाज से कोई अपेक्षा नहीं है कि उनका सम्मान हो, न वे कोई पद या प्रतिष्ठा पाना चाहते हैं, वे बस अपने आनंद में मग्न रहते हैं।

> “ आईएमएफने 2021 में भारत की जीडीपी ग्रोथ की रफ्तार 8.7 प्रतिशत के मुकाबले 2022 में 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। उधर 2022-23 के लिए उसे लगता है कि भारत की जीडीपी में 6.1 फीसदी की बढ़त होगी, जबकि जनवरी में उसका अनुमान 8.2 प्रतिशत था, जो जून में घटाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया गया था।

भूख के बावजूद भारत एक उम्मीद

आलोक जोशी, वरिष्ठ पत्रकार

विश्व गुरु के घोष पर हर्षोल्लास व कटाक्ष का सिलसिला देश के भीतर और विदेश में बसी भारतीय बिरादरी के बीच तो खूब चला है, पर अब ऐसा लग रहा है कि पूरी दुनिया में भारत का डंका बजने वाला है, खासकर विश्व की अर्थव्यवस्था में। सबसे महत्वपूर्ण बयान आए हैं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की तरफ से। आईएमएफकी प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा का कहना है कि इस वक्त दुनिया के आर्थिक क्षितिज पर जो अंधकार दिख रहा है, उसमें भारत को एक प्रकाश पुंज की तरह देखना पड़ेगा। इसकी एक वजह यही है कि मुश्किल दौर में भी भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ती रही।

हालांकि, एक ही भारत के अलग-अलग पहलू हैं। एक पहलू यह भी है, जो ताजा ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2022 के आंकड़े दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत छह पायदान नीचे खिसककर 121 देशों में 107वें स्थान पर पहुंच गया है। वैश्विक सूची में भारत दक्षिण एशियाई देशों में सिर्फ युद्धग्रस्त अफगानिस्तान से बेहतर बताया गया है। मतलब, विशाल आबादी वाले देश में भूख एक पहलू है।

लेकिन कुल मिलाकर, एक मजबूत भारत भी है, जो एक साल के लिए जी-20 की अध्यक्षता करने जा रहा है। जी-20 असल में 19 राष्ट्रों और यूरोपीय संघ के सारे देशों को मिलाकर बना है। दुनिया की जीडीपी का लगभग 80 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार का 75 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा जी-20 के सदस्य देशों से आता है। आगामी 1 दिसंबर से भारत इसका अध्यक्ष बनेगा, और इसके बाद एक साल के भीतर उसे इस समूह की 200 से ज्यादा बैठकों की मेजबानी करनी है। क्रिस्टालिना जॉर्जीवा का कहना है कि जिस वक्त भारत इस संगठन का नेतृत्व संभालने जा रहा है, वह खुद बहुत मजबूत स्थिति में है, और यह तय है कि इसके बाद भारत पूरी दुनिया पर छाप छोड़ेगा।

जॉर्जीवा ही नहीं, आईएमएफके मुख्य अर्थशास्त्री पियरे ओलिवियर गौरिंचस का भी कहना है कि जिस वक्त पूरी दुनिया पर मंदी का खतरा मंडरा रहा है, भारत की तेज चमक तारीफके काबिल है।

हालांकि, पिछले हफ्ते आईएमएफ ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटा दिया, पर यह भी बताया है कि भारत दुनिया में सबसे तेज रफ्तार से बढ़ेगा। आईएमएफने 2021 में भारत की जीडीपी ग्रोथ की रफ्तार 8.7 प्रतिशत के मुकाबले 2022 में 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। उधर 2022-23 के लिए उसे लगता है कि भारत की जीडीपी में 6.1 फीसदी की बढ़त होगी, जबकि जनवरी में उसका अनुमान 8.2 प्रतिशत था, जो जून में घटाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया गया था। फिर भी यह काफी है, क्योंकि इसी दौरान चीन में 4.4 प्रतिशत, अमेरिका में एक प्रतिशत, जापान में 1.6 प्रतिशत, यूरोपीय देशों में 0.5 प्रतिशत और ब्रिटेन में महज 0.3 प्रतिशत बढ़त का अनुमान है।

संभवत: यह भी एक बड़ी वजह है कि दुनिया को भारत में बड़ी उम्मीद दिख रही है और आईएमएफके बयान उस उम्मीद की अभिव्यक्ति माने जा रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था भले अभी 3.5 ट्रिलियन डॉलर के करीब हो, पर इसकी विशाल आबादी, आगे बढ़ता मध्यवर्ग और तेजी से फैलता बाजार पूरी दुनिया को बड़ी संभावना की तरह दिखता है। कारों व महंगे मोबाइल फोन की बिक्री के आंकड़े और ऑनलाइन खरीद-बिक्री या डिजिटल लेन-देन की रफ्तार व आकार, दुनिया के अनेक देशों को हैरान कर देते हैं।

वैसे, आईएमएफकी तरह विश्व बैंक ने भी हाल में भारत की ग्रोथ का अनुमान घटाया है। पहले जहां उसे उम्मीद थी कि वित्त वर्ष 2022-23 में भारत 7.5 प्रतिशत बढ़ेगा, वहीं अब उसका अनुमान 6.5 प्रतिशत ही रह गया है। दक्षिण एशिया पर अपनी द्विवार्षिक रिपोर्ट में उसने कहा है कि अनिश्चितता और कर्ज महंगा होने की वजह से भारत में निजी क्षेत्र का निवेश मंदा रहने का डर है। दुनिया भर में मांग कम होने का असर भी भारत के निर्यात पर पड़ सकता है।

इन सबके बावजूद आईएमएफकी तरफ से यह अनुमान साफ है कि भारत 2027-28 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। हालांकि, 2025 तक भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का सपना 2025-26 में भी पूरा होता मुश्किल दिखता है, लेकिन साल 2027-28 में भारत की जीडीपी 5.36 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है।

उस वक्त की तस्वीर देखें, तो तीसरे नंबर पर पहुंचने के बावजूद भारत 30.28 ट्रिलियन डॉलर वाले अमेरिका और 28.25 ट्रिलियन डॉलर वाले चीन से काफी पीछे दिखाई पड़ेगा। मगर अर्थशास्त्री हालात को बेहतर तरीके से दिखाने के लिए एक और फॉर्मूला इस्तेमाल करते हैं। इसे 'पर्चेजिंग पावर पैरिटी' (क्रय शक्ति समता) कहा जाता है। मतलब यह कि किसी एक देश में कुछ खास सामान खरीदने के लिए कितनी रकम खर्च होती है, उसके मुकाबले वही सामान दूसरे देश में कितना खर्च करने पर मिलता है। इस आधार पर दोनों देशों की मुद्रा के बीच तालमेल का अनुपात बनाया जाता है, और फिर उन देशों की जीडीपी की तुलना भी उस अनुपात से की जाती है। जैसे ही आप इस पैमाने पर देखेंगे, तो पाएंगे कि 2027-28 में अमेरिका 42.05 ट्रिलियन डॉलर, चीन 30.28 ट्रिलियन डॉलर और भारत 17.85 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन चुके होंगे।

यह तस्वीर बहुत सुहानी दिखती है, जब तक आप यह न देखें कि दुनिया में अमीर और गरीब की खाई किस तेजी से बढ़ रही है। पिछले ही हफ्ते विश्व बैंक ने चेतावनी दी कि 2030 तक दुनिया के नक्शे से गरीबी मिटा देने का काम अपने लक्ष्य से बहुत दूर है। उसके ताजा अनुमान के मुताबिक, 2022 के अंत तक दुनिया में 68.5 करोड़ लोग बेहद गरीब होंगे। हाल ही में आई एक रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में गरीबी की चपेट में फंसे लोगों में से 80 फीसदी भारत में हैं। इसके साथ ताजा हंगर रिपोर्ट को भी जोड़ा जा सकता है।

चुनौती दुनिया के स्तर पर और देश के स्तर पर एक ही है। अमीर इंसान और अमीर देश ज्यादा से ज्यादा अमीर और गरीब ज्यादा से ज्यादा गरीब हो रहे हैं। इसे कैसे रोका जाए और कैसे विकास की रफ्तार इतनी तेज हो कि सबकी जरूरतें पूरी करने की स्थिति आए? लगता तो यही है कि सब जगह हालात इतने खराब हैं कि अब सबको भारत में ही उम्मीद दिख रही है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अच्छी सिफारिशों को मानकर सुधारिए अपना दवा उद्योग

दिनेश एस ठाकुर, जन-स्वास्थ्य विशेषज्ञ

हरियाणा की एक दवा कंपनी द्वारा निर्मित कफ सिरप के कारण गाम्बिया में 66 बच्चों की मौत से भारत के दवा नियामकों पर बहस तेज हो गई है, पर क्या कुछ बदलेगा? हमारा इतिहास दवा नियामक कानूनों की मिसालों से भरा पड़ा है। किसी भी दवाजनित त्रासदी के बाद ही नियम तय किए जाते या बदले जाते रहे हैं। अमेरिका को ही लें, जो 20वीं सदी के पूर्वार्द्ध में कई ऐसी त्रासदियों का गवाह रहा था। उसका बायोलॉजिक्स कंट्रोल ऐक्ट, 1902 तभी आनन-फानन में बनाया गया था, जब दूषित दवा और टीकों के चलते अमेरिका में मौतें हुई थीं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) का कोड या संहिता 1941 में तब लाई गई थी, जब एक दवा में त्रुटि की वजह से 300 से अधिक अमेरिकियों की मौत हुई थी। हालांकि, यूरोप ऐसे सबक सीखने में पीछे रहा है। साल 1961 में उसे थैलिडोमाइड त्रासदी भुगतनी पड़ी थी, जिसमें हजारों विकृत शिशुओं का जन्म हुआ था। तब एफडीए के एक अधिकारी फ्रांसिस ओल्डम केल्सी की चौकसी के चलते ही अमेरिका में वह दवा बिक नहीं पाई थी।

यह सुखद आश्चर्य है कि भारत में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पर संसदीय स्थायी समिति ने गाम्बिया या जम्मू में कुछ साल पहले 12 बच्चों की मौत की त्रासदी से काफी पहले खतरे की घंटी बजा दी थी। 2012 में पेश 59वीं रिपोर्ट में, भारत के राष्ट्रीय नियामक-केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के कामकाज की समीक्षा करते हुए संसदीय पैनल ने नियामक और ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया को हटा दिया था। संसदीय पैनल ने चेता दिया था कि भविष्य में प्रतिकूल घटनाएं घट सकती हैं।

फिर भी, सरकार ने समस्याओं को पूरी तरह ठीक करने के बजाय छोटे-मोटे कदम उठाए। हीलिंग द फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड नामक पुस्तक के लेखक व

नौकरशाह के एल शर्मा स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव थे और दवा क्षेत्र में सुधार पर जोर दे रहे थे, पर उनका स्थानांतरण राष्ट्रीय महिला आयोग में कर दिया गया। उनकी पुस्तक देश की दवा नियामक व्यवस्था की सड़न समझने के लिए जरूरी है।

खैर, 59वीं रिपोर्ट में जिस दवा को कठघरे में खड़ा किया गया था, उसका उपयोग अवसाद के इलाज में किया जाता है। यह दवा अधिकांश विकसित देशों में स्वीकृत नहीं थी। पूछताछ हुई, तो उस दवा के अनुमोदन की फाइल गायब पाई गई। प्रतिष्ठित मनोचिकित्सकों ने इसे मंजूर नहीं किया था, फिर भी यह दवा भारत में बेची जा रही थी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने विशेषज्ञ समितियों की सिफारिशों पर काम करते हुए दो अलग-अलग मौकों पर, 2013 और 2014 में, दवा पर रोक लगाई, लेकिन कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पुनर्विचार का निर्देश देकर रोक पर स्टे लगा दिया। दोनों बार कानूनी दांव-पेच खेला गया, लेकिन मंत्रालय ने अपील दायर नहीं की। 2019 में जब एक विशेषज्ञ समिति ने इस दवा के निर्माता से तीसरे चरण का परीक्षण डाटा जमा करने के लिए कहा, तो दवा निर्माता ने फिर से कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख कर लिया। बाद में विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों को छोटा करते हुए जब दवा निर्माता की बात मान ली गई, तब उसने सरकार के खिलाफ मुकदमा वापस लिया।

दवाओं के नियमन के लिए अराजक नजरिया जारी है। स्थायी संसदीय समिति ने यह दर्ज किया है कि जब नई दवाओं को मंजूरी देने की बात आती है, तो सीडीएससीओ के अधिकारियों के विवेक पर ही बहुत कुछ छोड़ दिया जाता है। विशेषज्ञों के साथ परामर्श की जरूरत है या नहीं, यह तय करने के लिए भी दुरुस्त दिशा-निर्देश नहीं हैं।

यदि हम भारत में दुखद मौतों और असुरक्षित दवाओं को रोकना चाहते हैं, तो स्वास्थ्य संबंधी संसदीय स्थायी समिति की संत सलाह को सुनिए। इसकी 59वीं रिपोर्ट स्वर्ण से तौलने लायक है, फिर भी इसका अधिकांश हिस्सा स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा एक दशक से भी अधिक समय से लागू नहीं किया गया है। आइए, हम अपने उन सांसदों के विद्वतापूर्ण शब्दों पर जल्दी ध्यान दें और मासूमों की मौत का इंतजार न करें।

(सह-लेखक प्रशांत रेड्डी)

चुनाव आयोग के लचर तर्क

गुजरात और हिमाचल प्रदेश में 2017 में एक महीने के अंतराल पर मतदान हुआ था लेकिन दोनों राज्यों के चुनाव नतीजे एक साथ 18 दिसंबर को आए थे। दोनों राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया एक साथ 20 दिसंबर को पूरी हुई थी। दोनों राज्यों की विधानसभाओं का गठन भी लगभग साथ साथ हुआ था और विधानसभाओं का कार्यकाल भी साथ साथ ही खत्म हो रहा था। तभी यह अंदाजा लगाया जा रहा था कि दोनों राज्यों में इस साल एक साथ चुनाव होंगे। लेकिन चुनाव आयोग ने सिर्फ हिमाचल प्रदेश में चुनाव की घोषणा की और गुजरात को छोड़ दिया। दो छोटे छोटे राज्यों के चुनाव एक साथ नहीं कराने पर चुनाव आयोग ने इतने लचर दिए, जिन्हें सुन कर हैरानी हुई।

चुनाव आयोग ने मौसम का हवाला दिया और कहा कि हिमाचल में बर्फ गिरनी शुरू हो उससे पहले चुनाव कराना था। अच्छी बात है। बर्फ गिरनी शुरू हो उससे पहले चुनाव के लिए 12 नवंबर का दिन तय हुआ। तो सवाल है कि उसी दिन गुजरात का चुनाव क्यों नहीं हो सकता था? किसी भी राज्य की विधानसभा का कार्यकाल छह महीने से कम बचा होता तो वहां चुनाव का फैसला आयोग को करना होता है। जैसे हिमाचल प्रदेश की पिछली विधानसभा का कार्यकाल जनवरी 2018 में खत्म हो रहा था लेकिन आयोग ने नौ नवंबर 2017 को ही चुनाव करा लिया था। उसी तरह गुजरात विधानसभा का कार्यकाल भी छह महीने से कम रह गया है तो आयोग उसकी तारीखों का फैसला कर सकता था।

चुनाव आयोग ने परंपरा का हवाला दिया। यानी दोनों राज्यों में अलग अलग चुनाव घोषणा की परंपरा रही है। सोचें, इसका क्या मतलब है? जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग दोनों वन नेशन, वन इलेक्शन की बात करते हैं यानी पूरे देश में एक साथ लोकसभा और विधानसभाओं में चुनाव की बात करते हैं तो क्या तब उनको परंपरा का ख्याल नहीं आता है? एक साथ चुनाव कराने में क्या परंपराएं नहीं टूटेंगी? क्या आयोग को पता नहीं है कि ऐसी परंपराएं कितनी बार पहले टूट चुकी हैं? इसमें तो कोई बड़ी परंपरा भी नहीं टूटनी थी। दोनों राज्यों के वोटों की गिनती जब साथ होनी है तो चुनाव की घोषणा भी एक साथ हो सकती है और मतदान भी एक साथ हो सकता है।

बहरहाल, चुनाव आयोग के इस फैसले से दोनों राज्यों और केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को बहुत फायदा होना है। जब तक गुजरात में चुनाव की घोषणा नहीं होनी है तब तक प्रधानमंत्री और राज्य के मुख्यमंत्री बड़ी परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास करते रहेंगे। इस बीच हिमाचल में चुनाव प्रचार शुरू हो जाएगा, जिस पर फोकस करके भाजपा काम कर सकेगी। हिमाचल में जब मतदान हो जाएगा तब गुजरात में चुनाव प्रचार जोर पकड़ेगा और तब भाजपा के तमाम नेता वहां ध्यान केंद्रित करेंगे। गुजरात में भी आयोग दो या तीन चरण में मतदान कराएग। क्यों कराएगा वह सबको पता है। सोचें, जिन दो राज्यों में भाजपा अपनी जीत को लेकर सबसे ज्यादा आश्वस्त है वहां इस तरह के प्रबंधन हो रहे हैं!

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:- 9827806026, 7869620239

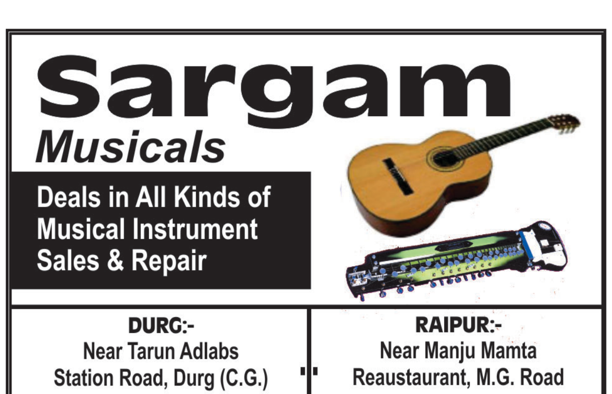

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

सुदूर वनांचल क्षेत्र में पुल, पुलिया और सड़क निर्माण होने से कनेक्ट होंगे गांव

केबिनेट मंत्री अकबर ने सुदूर वनांचल क्षेत्र के विकास के लिए करोड़ों रुपए की सौगात दी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। प्रदेश के वन,परिवहन, आवास पर्यावरण, विधि विधायी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर ने आज कवर्धा जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र में पहुंचकर वहां के विकास कार्य के लिए 1 करोड़ो 29 लाख 73 हजार रूपए के विकास कार्यों की सौगात दी। मंत्री अकबर ने बोड़ला विकासखंड के ग्राम गाड़ाघाट के कपिलधारा नाला में 35.07 लाख के लागत से पुलिया निर्माण कार्य और 22.56 लाख की लागत से सीसी रोड निर्माण कार्य, ग्राम छूही में 29.05 लाख की लागत से हाफ नदी से बड़े देहान तक सीसी रोड निर्माण कार्य और ग्राम गुडली में 43.05 लाख की लागत से कुदाल नाला पर पुलिया निर्माण कार्य का शिलान्यास और भूमिपूजन किया।

मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि वनांचल क्षेत्र में विकास के लिए लगातार निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। एक गांव से दूसरे गांव कनेक्ट करने के लिए पुल पुलिया और सीसी रोड निर्माण कार्य भी किए जा रहे हैं जिससे ग्रामवासी को आवागमन में सुविधा मिले।

उन्होंने कहा कि कपिलधारा नाला में सीसी रोड निर्माण और पुलिया के बन जाने से ग्राम वासियों को गाढ़ा घाट से देवगांव, बोक्काखार आनेदूजाने में सुविधा होगी। वही बड़े दैहान कुदाल नाला पर पुलिया निर्माण होने से सुविधाओं का विस्तार होगा।

मंत्री मोहम्मद अकबर सुदूर वनांचल क्षेत्र के विकास के लिए लगातार दौरा कर रहे हैं और ग्रामवासियों से मिलकर वहां की समस्याओं से अवगत हो रहे हैं इसके साथ ही समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दे रहे हैं। इस दौरान मंत्री अकबर ने गाड़ाघाट, छुई और गुडली में ग्रामवासियों से रूबरू हुए और उनसे चर्चा कर वहां की मांग, शिकायत और समस्याओं को सुना। उन्होंने ग्रामवासियों से कहा कि उनकी मांग पर पुलिया और रोड निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया है। इसके निर्माण होने के बाद उनके आवागमन की समस्या दूर होगी। इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों से आवेदन भी लिए। इस अवसर पर बोड़ला जनपद अध्यक्ष अमिता प्रभाती मरकाम, मंडी अध्यक्ष नीलकंठ साहू, उपाध्यक्ष चोवाराम साहू, जिला पंचायत सदस्य मुखीराम मरकाम, गंगोत्री योगी, पीताम्बर वर्मा, राजेश शुक्ला, जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

महापौर ने बैटमिंटन खिलाड़ी बच्चों को संदेश देते हुए कहा

सफलता कोई शार्टकट रास्ता नही है, कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। बीबीसी जिला बैडमिंटन संघ दुर्ग सीजीबीए से संबद्ध स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप-2022 के समापन समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज, भिलाई में महापौर धीरज बाकलीवाल,एमआईसी सदस्य दीपक साहू के साथ पहुँचे, जूनियर 11 से कम और 13 से कम के बच्चे श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज, भिलाई में रविवार 16 अक्टूबर 2022 को दोपहर 12:00 बजे से स्टेट जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप खेला गया।

समापन कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यअतिथि महापौर धीरज बाकलीवाल बाकलीवाल एवं दीपक साहू का सम्मान महासचिव भारतीय बैडमिंटन संघ संजय मिश्रा किया।संगठन, राज्य बॅन संचार संघ से दुर्ग जिला बैडमिनेट संघट प्राप्त ब्लॉग-11 और 1-13 राज्य बंदमिण प्रतिद्वंदी,चतुर्थ लड़के एकल।

जीत - सैयद ज़ायन अली (बिलैकरी)उपविजेता- आशान खान (रायपुर)13 एकल लड़कियां अर्ना शिव श्रीवास्तव (बिलासपुर)(बिलासपुर) भारत का G.S.B.A GIT FRISIT विजेता: देविका खाकिक,अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी जैन,सचिव मो. संगीता रायगोपालन,सुश्री जयंत ब्रेवर विनय विश्व।मुख्य अतिथि महापौर धीरज बाकलीवाल ने राज्य स्तरीय बैटमिंटन प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु जिला बैडमिंटन संघ की सराहना की। महापौर ने कहा खेल में हार जीत लगी रहती है। मैदान में आकर खेल भावना से खेला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा की खिलाड़ियो में प्रतिभा की कमी नहीं है। जरूरत सिर्फ उसे उभारने की है। महापौर ने बैटमिंटन खिलाड़ी बच्चों को संदेश देते हुए कहा कि सफ्लता कोई शार्टकट रास्ता नही है,कड़ी मेहनत ही सफ्लता की कुंजी।

खास खबर

तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत स्कूलों में किया जा रहा स्वास्थ्य जागरूकता

दुर्ग। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग के समन्वय से पाटन विकासखण्ड के 9 स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल सहित 22 स्कूलों में तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान हेतु स्वास्थ्य जागरूकता की जा रही है। इस गतिविधियों में किशोर-किशोरियों को स्कूलों में तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तम्बाकू के दुष्प्रभाव, फर्स्ट हैंड स्मोकिंग, सेकंड हैंड स्मोकिंग, तम्बाकू युक्त गुटखा, गुड़ाखु के नशे के कारण शारीरिक और मानसिक हानि की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही स्कूलों में टोबैको मॉनिटर चिन्हांकित किए जा रहे हैं और छात्र-छात्राओं को तम्बाखू उपयोग न करने शपथ दिलाई जा रही है। बीएमओ पाटन ने बताया कि बच्चों एवं स्कूल स्टाफ को कोटपा एक्ट 2003 के संबंध में जानकारी प्रदान की जा रही है। स्कूलों में तम्बाखू मुक्त शिक्षण संस्थान प्रमाणन हेतु तैयारियां की जा रही है। इसके अलावा छात्र-छात्राओं की क्विज प्रतियोगिता की जा रही है एवं उन्हें पुरस्कृत किया जा रहा है। जागरूकता कार्यक्रम में एमएचओ जिला दुर्ग,एसडीएम पाटन विपुल गुप्ता और स्वास्थ्य विभाग विकासखण्ड पाटन की चिरायु टीम द्वारा स्कूलों में गतिविधियां की जा रही है। बीपीएम, बीईटीओ, प्राचार्यगण ,शिक्षकों एवं छात्र छात्राओं का विशेष रहा।

दाई दीदी क्लिनिक के माध्यम से लग रहे स्वास्थ्य शिविर में आए हुए महिलाओं ने बताए अपने अनुभव

खुशी है कि सरकार ने ऐसी योजना निकाली जिससे मोहल्ले में ही चिकित्सा सुविधा मिल रही है

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बहुत ज्यादा खुशी हो रही है कि सरकार ने ऐसी योजना निकाली कि मेरे घर के सामने दाई दीदी क्लिनिक आया हुआ है। खास बात यह है कि दाई दीदी क्लिनिक में महिला स्टॉफ होते है जिनसे हम बेझिझक अपनी बीमारियों के बारे में खुल कर बात कर पाते है। हॉस्पिटल में जाकर लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है। इतनी अच्छी सुविधा है कि हम स्वास्थ्य शिविर में जा रहे हैं और तुरंत टेस्ट हो रहा है।

मुझे कोई बीमारी नहीं है परंतु किस प्रकार की योजना संचालित हो रही है इसके लिए आई थी। शिविर में मैंने बीपी और शुगर की जांच कराई है। यहां की सुविधाएं बहुत अच्छी है मैं धन्यवाद करती हूं सरकार का उन्होंने इतनी अच्छी योजना लाई।

मंजू यादव: सूचना मिली कि मोहल्ले में ही डॉक्टर आएंगे और फ्री में स्वास्थ्य परीक्षण होगा। मुझे बुखार एवं बीपी की समस्या थी। बुखार के लिए फ्री में दवाइयां मिली हुई है तथा बीपी भी नॉर्मल है। समय रहते बीपी का पता चल गया। अस्पताल जाने में लगने वाले समय की बचत हो रही है।

रुखसार निजामी: दाई दीदी क्लिनिक के माध्यम से स्वास्थ्य शिविर लगने से वार्ड में ही चिकित्सा सुविधा मिल रही है। स्वास्थ्य सुविधाएं यहां की बहुत अच्छी है। घर के बिल्कुल नजदीक शिविर लग रही है ऐसी सुविधा घर के पास ही मिलने से सरकार को मैं बहुत धन्यवाद देती हूं।

खिलेश्वरी साहू : मितानिन के जरिए पता चला कि मोहल्ले में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। मैंने स्वास्थ्य शिविर में इलाज कराया। निशुल्क इलाज होने से और दवाई मुफ्त मिलने से पैसे के साथ ही समय की भी बचत हो रही है। अस्पतालों में लगने वाली लंबी लाइन से राहत मिल रही है।

पुष्पा कुशवाहा: स्वास्थ्य शिविर मा इलाज पानी के बने सुविधा हावे। सरकारी गाड़ी घर कन आथे फ्री में दवई अउ इलाज होवत हे सरकार के सुघ्घर योजना हावे।

सविता बाई: मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से लग रहे दाई दीदी क्लिनिक के स्वास्थ्य शिविर में आए हुए व्यक्तियों/मरीजों ने स्वास्थ्य परीक्षण उपरांत अपने अनुभवों को साझा किया। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना से स्वास्थ्य सेवाओं की बुनियाद मजबूत हुई है। हम अक्सर छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्यायों को अनदेखा करते है, जिसका खामियाजा भी भुगतना पड़ता है। शहरी बस्तियों में रहने वाले लोग ज्यादातर कामकाजी होते है और अपनी छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए प्राइवेट अस्पतालों पर निर्भर रहते है। प्राइवेट अस्पतालों का अपना निजी ढांचा होने से जांच से लेकर दवाइयां तक का खर्च काफी महंगा होता है, जिससे आम लोगो के लिए यह अतिरिक्त भार वहन करना मुश्किल होता है। जिसके चलते मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी के द्वारा जन-जन के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने स्लम स्वास्थ्य योजना की शुरूआत की गई, योजना का बेहतर क्रियान्वयन नगर पालिक निगम, भिलाई के क्षेत्रों में किया जा रहा है।

लोगों का नि:शुल्क जांच व इलाज करने अनुभवी एवं प्रशिक्षित डॉक्टरों की टीम प्रतिदिन सुबह रूट चार्ट अनुसार गली-मोहल्लों में मोबाइल मेडिकल यूनिट लेकर पहुंच रही है, जहां लोग सर्दी, खांसी, बुखार, मलेरिया जैसी सामान्य बीमारियों के उपचार कराने के साथ ही बीपी, शूगर, पेशाब, हिमोग्लोबिन जैसी आवश्यक जांच की नि:शुल्क सुविधा का भी लाभ उठा रहे हैं। मोहल्ले में ही इलाज होने से शिविर में इलाज कराने वाले मरीजों का कहना है कि नि:शुल्क इलाज के सपना होगे साकार अब डाक्टर मन आगे हमर दुवार। भिलाई निगम क्षेत्र में बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने मोबाइल यूनिट संचालित हो रही है। दाई दीदी क्लीनिक में गर्भवती महिलाओं एवं कुपोषित बच्चों की संपूर्ण जांच की जा रही है।

रमेशचंद फाउंडेशन ने मनाया अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस

बेटियों ने ली शपथ, समाज में देंगे अपना शत-प्रतिशत योगदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर बेटियों ने शपथ ली कि उन्हें बार-बार याद दिलाने की जरूरत नहीं है कि वह बेटियां है। वे भी बेटे के समान अधिकार रखती हैं और समाज में अपना शत-प्रतिशत योगदान देती है। रमेश चंद्र फाउंडेशन की ओर से 14 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग एस स्वामी थे।

फाउंडेशन की डायरेक्टर डॉ मानसी गुलाटी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस का मुख्य उद्देश्य जेंडर इक्वलिटी को बताना है।

उन्होंने इस मौके पर सभी बेटियों को शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि हमें बार-बार याद दिलाने की जरूरत नहीं है कि हम बालिका है हमारी भूमिका समाज में समान है जितने पुरुषों का दायित्व है उतना ही महिलाओं का भी दायित्व है इस समाज को आगे बढ़ाने में और उन्होंने सभी बालिकाओं को शपथ दिलाई कि हम हर कार्य में अपना शतप्रतिशत समाज को देंगे। साथ ही हमारे लिए जो नियम बने हुए हैं उनका कभी भी दुरुपयोग नहीं करेंगे।

याद दिलाया महिलाओं का योगदान

इस कार्यक्रम में अतिथि डॉ राहुल गुलाटी ने कहा बताया कि कैसे महिलाओं का योगदान हमारा इतिहास में रहा है चाहे वह स्वतंत्रता के समय हो चाहे उससे पहले राजा महाराजाओं के समय का हो हमेशा महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हर कार्यक्रम में हिस्सा लिया है मुख्य अतिथि एसएन स्वामी ने कहा कि महिलाएं हर फील्ड में अपना योगदान बढ़-चढ़करदे रही है। आगे भी उनसे अपेक्षा रखते हैं कि वह हर क्षेत्र में अपना लोहा मनवाएंगी। यह कार्यक्रम मानस कॉम्प्लेक्स स्टेशन रोड दुर्ग में हुआ।

वैशाली नगर जोन के लोगों का निगम में प्रदर्शन, कहा- जो सड़क नाली न बनाए वो सरकार निकम्मी है

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई में सोमवार को वैशाली नगर जोन के बाबा दीप सिंह नगर के लोगों ने प्रदर्शन किया। क्षेत्र में सड़क व नाली जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं होने से नाराज लोगों ने बैनर हाथ में लेकर प्रदर्शन किया। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि जा सड़क व नाली न बनाए वो सरकार निकम्मी है।

लोगों ने इस दौरान एक ज्ञापन भी सौंपा जिसके माध्यम से अपने क्षेत्र में सड़क व नाली जैसी मूलभूत जरूरतों को पूरा करने का निवेदन किया।

प्रदर्शन करने वाले लोगों ने निगम प्रशासन व सरकार का निकम्मा बताया। लोगों का कहना है कि बाबा दीप सिंह नगर में कई आवासीय क्षेत्र ऐसे हैं जहां पर नगर निगम ने अब तक न तो सड़क बनाई है और न ही यहां पर नाली व नल कनेक्शन की सुविधा दी है। क्षेत्र के लोग नगर निगम भिलाई को हर तरह का टैक्स देते हैं इसके बाद भी निगम प्रशासन द्वारा क्षेत्र की मूलभूत आवश्यकताओं पूरा नही कर रही है। क्षेत्र के लोगा वर्षों से सड़क व नाली जैसी मूलभूत सुविधा के लिए तरस रहे हैं।

वैशाली नगर जोन के कई कॉलोनियां में नहीं है सड़क पर नाली

वैशाली नगर जोन में सड़क व नाली की समस्या अकेले बाबा दीप सिंह नगर की नहीं है बल्कि एक बड़ी आबादी इस समस्या से जूझ रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सड़कों को लेकर लगातार विभाग व अफसरों को हिदायत दे रहे हैं लेकिन वैशाली नगर जोन के कॉलोनियों की कोई सुध नहीं ले रहा है। वैशाली नगर जोन के कैलाश नगर का बड़ा हिस्सा मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। यहां पर हाल ही में हुए चुनाव में बड़े बड़े वादे कर कांग्रेस के पार्षद जीते और महापौर भी कांग्रेस का बना लेकिन सड़क व नाली के नाम पर लोगों को अब भी धोखा ही मिल रहा है।

कोरबा से प्रयागराज अयोध्या के लिए शुरू हुई बस सेवा

कोरबा। छत्तीसगढ़ एवं उत्तरप्रदेश व बिहार प्रांत के यात्रियों के लिए सुविधाओं की कोरबा से उपलब्ध कराये जा रहे तोहफे में यातायात महासंघ कोरबा ने कोरबा से प्रयागराज अयोध्या के लिए राजधानी बस सेवा की सुविधा उपलब्ध कराकर एक और तोहफा देने का आगाज किया है। यह वर्ष कोरबा से अपने रूट के अनुसार अपरान्ह 4.30 नया बस स्टैंड से बजे छूटेगी तथा मऊगंज सीधी प्रयागराज, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, फैजाबाद होते अयोध्या फैजाबाद अगले दिन 8.30 बजे पहुंचेगी। इसी तरह 12 बजे को छूटेगी और कोरबा नया बस स्टैंड 5 बजे सुबह उक्त राजधानी बस पहुंचेगी।

खास खबर

साध्वी संवरनिधि के आयंबिल करने के 100 दिन पूरे

रायपुर। न्यू राजेंद्र नगर स्थित महावीर स्वामी जिनालय में रविवार को जप-तप और साधना के क्रम में साध्वी स्नेहयशा की निश्रा में साध्वी संवरनिधि म.सा. ने अपना 100वां आयंबिल पूरा किया है। आध्यात्मिक चातुर्मास समिति के अध्यक्ष विवेक डागा ने बताया कि साध्वी ने चातुर्मास शुरू होने के साथ ही अपना आयंबिल शुरू किया था जिसके 100 दिन रविवार को पूरे हो चुके हैं। साध्वी संवरनिधि की आयु 68 वर्षों की हैं। उन्होंने बिना नमक, मिर्च और तेल की सब्जियां और खाना खाकर अपना उपवास पूरा किया। चातुर्मास समिति के सदस्यों ने उनकी अनुमोदना कर वंदन किया है।

न्यू राजेंद्र नगर स्थित महावीर जिनालय में चल रहे भव्य आध्यात्मिक चातुर्मास के दौरान साध्वी स्नेहयशा ने रविवार को कहा कि हे वत्स तू क्यों चंचल बनता है। यह चंचलता तेरे विशाद का कारण बनेगी। जो व्यक्ति को स्वयं को पहचान लेता है उसकी चंचलता थम जाती है और वह भव से तिर जाता है। आप लोग कहते है कि यह मैंने किया है। यह मैं कौन है पता चल जाएगा तो हमारा भव भ्रमण रूक जाएगा। आत्मा कहती है कि हे जीव ये हांड-मांस के पिंजरे में, मैं नहीं इसके पीछे छिपा तत्व तू है। यह शरीर तेरा भी नहीं है, यह शरीर तो बिगड़ने वाला है, इसका पर्याय क्षण-क्षण में बदलते रहता है। साध्वी कहती है कि 18 देशों के राजा कुमारपाल अपनी आत्मा को पहचानने के लिए हर दिन 32 प्रकार के स्वाध्याय करते थे। वे योगशास्त्र का 12 अध्याय और वीतरागस्तोत्र का 20 अध्याय करते थे। इसके साथ ही सुबह-शाम प्रतिक्रमण भी करते थे। जब जमाना हाथों से काम करने का था तब उस दौरान लोग अपनी आत्मा के लिए समय निकाल लेते थे। आज का युग मशीनरी है। मशीनों ने अब हमारा सारा काम आसान कर दिया है। उसके बाद भी हमारे पास धर्म के लिए समय नहीं होता। धर्म के प्रति अब तक हमारी चेतना जागृत नहीं हो पाई है। जबकि मनुष्य गति ही ऐसी गति है जो आत्मा तत्व को पहचानने में सक्षम है। लोग सोचते है कि यह जन्म खाने-पीने और घूमने के लिए है। कितना भी स्वादिष्ट खाना खा लो, कितने भी देश घूम लो आखिर वापस तो अपने घर ही लौटना है।

राष्ट्रीय चित्रकला में दिखी बच्चों की छिपी प्रतिभा

रायपुर। भारतीय बाल कल्याण परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रति वर्ष राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। प्रदेश में इसके क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा जिलेवार प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। रायपुर जिले में यह प्रतियोगिता 15 अक्टूबर को जे.आर. दानी कन्या विद्यालय में आयोजित हुई। उद्घाटन समारोह दीप प्रज्वलन व माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजा करके किया गया जिसमे मुख्य अतिथि बृजमोहन अग्रवाल विधायक रायपुर दक्षिण, विशेष अतिथि प्रमोद दुबे सभापति नगर निगम रायपुर उपस्थित थे। मुख्य अतिथि बृजमोहन अग्रवाल ने अपने उदबोधन में चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों से कहा कि चित्रकला अपनी भावनाओं और कल्पना को अभिव्यक्त करने का एक माध्यम है। कलाकार द्वारा प्रदर्शित चित्र से बड़ी बड़ी बातों को समझाया जा सकता है। कार्टून भी इसका एक अंग है जो बातें हम बहुत सारे शब्दों में नही कह सकते है वो एक छोटे से कार्टून में कही जा सकती है। विधायक अग्रवाल ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता की सराहना करते हुए कहा कि डॉ कलाम ने कहा था कि सपने वो नही जो हम सोते हुए देखते है सपने वो होते है जो हमे सोने नही देते।

ई-बजट साफ्टवेयर में डाटा प्रविष्ट के लिए ट्रेनिंग कार्यक्रम 19 को

रायपुर। राज्य सरकार अगले वर्ष जो चुनावी होगा, उसमें अपना सालाना बजट डिजिटल बजट पेश करेगी। इसके लिए वित्त विभाग ने ई-बजट साफ्टवेयर में डाटा प्रविष्ट के लिए ट्रेनिंग कार्यक्रम तय किया है। इसमें सभी 48 विभागों के बीसीओ और एसजीडी नोडल अधिकारियों को बुलाया गया है। यह प्रशिक्षण 19 अक्टूबर को मंत्रालय के कक्ष एस -12 में संचालक बजट शारदा वर्मा की अध्यक्षता में होगा। 11.30 बजे से 25 विभाग और 3 बजे से 23 विभागों को दिया जाएगा।

दीवाली से पहले किसानों के हित में छत्तीसगढ़ सरकार का बड़ा निर्णय

धान खरीदी के बाद अब समर्थन मूल्य में अरहर, मूंग एवं उड़द भी खरीदेगी छत्तीसगढ़ सरकार

अरहर, मूंग एवं उड़द की फसलों की बुआई करने वाले किसानों के हित में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बड़ा निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में धान की फसल के साथ साथ अन्य फसलों की उत्पादकता को बढ़ावा देने और किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ सरकार धान की फसल के साथ-साथ अब अरहर, मूंग एवं उड़द की फसल भी समर्थन मूल्य में खरीदेगी।

दीवाली से पहले लिए गए सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में अरहर, मूंग एवं उड़द की फसलों की बुआई करने वाले किसानों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचेगा। प्रदेश के पंजीकृत किसानों से अरहर, मूंग एवं उड़द की फसल की न्यूनतम समर्थन मूल्य में खरीदी की शुरूआत मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 17 अक्टूबर से करेंगे। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित (मार्कफेड) के माध्यम से अरहर एवं उड़द की फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य 6600 रूपए प्रति क्विंटल और मूंग फसल की फसल 7755 रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की जायेगी।

योजना का लाभ लेने के लिए इन फसलों की बुवाई करने वाले किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों से सेवा सहकारी समितियो में आवेदन पत्र के साथ ऋण पुस्तिका के साथ बी-I, पी-II, आधारकार्ड एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति जमा कर kisan.cg.nic.in पोर्टल पर पंजीयन करवा सकते हैं, पंजीयन अभी जारी है, जिसकी अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2022 है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा छत्तीसगढ़ के किसानों को वैज्ञानिक एवं आधुनिक कृषि की ओर अग्रसर करने की दिशा में मजबूत कदम उठाए जा रहे हैं। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार किसान हितैषी योजनाओं का संचालन जमीनी स्तर पर किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में उड़द, मूंग एवं अरहर की फसलें भी अच्छी मात्रा में होती हैं, राज्य के जशपुर, सरगुजा, गरियाबंद, रायगढ़, कोंडागांव के क्षेत्रों में 122.01 हेक्टेयर में उड़द, जांजगीर, रायगढ़, कबीरधाम, कोंडागांव, जशपुर के क्षेत्रों में 16.34 हेक्टेयर में मूंग और कबीरधाम, जशपुर, बलरामपुर, राजनांदगांव, सरगुजा के क्षेत्रों में 120.31 हेक्टेयर में अरहर की फसल का उत्पादन किया जाता है। किसानों की सुविधा को देखते हुए राज्य में 20 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। इस वर्ष उड़द और मूंग का उपार्जन 17 अक्टूबर 2022 से 16 दिसम्बर 2022 तक और अरहर का उपार्जन आगामी वर्ष में 13 मार्च 2023 से 12 मई 2023 तक की अवधि में किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत शासन द्वारा पंजीकृत किसानों से अरहर 4 क्विंटल., मूंग 2 क्विंटल. एवं उड़द 3 क्विंटल. प्रति एकड़ की दर से समर्थन मूल्य में खरीदी की जाएगी।

जिलों में उपार्जन और भंडारण केंद्र

प्रदेश के कुल 20 उपार्जन केंद्रों में खरीदी की जाएगी। किसानों से समर्थन मूल्य पर मूंग, उड़द और अरहर की खरीदी के लिए सुविधाजनक क्रय व्यवस्था बनाने हेतु बलौदाबाजार जिले के बिलाईगढ़, गरियाबंद, महासमुंद जिले के बसना, दुर्ग, बेमेतरा जिले के थान खम्हरिया, कबीरधाम जिले के पंडरिया, राजनांदगांव, मुंगेली, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही, जांजगीर जिले के बोड़ासागर, कोरबा, बलरामपुर जिले के राजपुर, सूरजपुर, सरगुजा जिले के अम्बिकापुर, जशपुर जिले के बगीचा, कोरिया जिले के मनेन्द्रगढ़, कोंडागांव, कांकेर, रायगढ़ जिले के लोहारसिंह-2, नारायणपुर में उपार्जन एवं भंडारण केंद्र बनाए गए हैं।

महादेवघाट में चार दिन छठ महापर्व का छाएगा उल्लास, 28 को नहाय खाय के साथ शुरू होगा उत्सव

रायपुर (ए)। इस साल छठ महापर्व का शुभारंभ 28 अक्टूबर से होगा। चार दिनों तक विविध परंपराएं निभाई जाएगी। मुख्य आयोजन 30 और 31 अक्टूबर को होगा। राजधानी का सबसे बड़ा आयोजन महादेवघाट पर होगा। घाट में लगभग एक किलोमीटर दूर तक पूजन वेदियां बनाई जाएगी और अर्घ्य देने की व्यवस्था की जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बिहार से छठ लोकगीत गायक और नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देने कलाकार आएंगे। महादेवघाट छठ महापर्व समिति के प्रमुख राजेश कुमार सिंह एवं अध्यक्ष रविंद्र सिंह ने बताया कि कोरोना काल में दो साल तक सादगी से पूजा की गई थी। इस साल छठ पूजा भव्यता के साथ मनाई जाएगी। छठ महापर्व स्वच्छता का सबसे बड़ा प्रतीक है। छठ पर्व के माध्यम से प्राचीन काल से ही नदियों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया जा रहा है। पर्व से पहले महादेवघाट समेत अन्य घाटों की सफाई की जाएगी।

कलाकार देंगे प्रस्तुति

30 अक्टूबर को दोपहर से छत्तीसगढ़ के स्थानीय एवं भोजपुरी कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देंगे। छत्तीसगढ़ के लोक गायक दिलीप षड़ंगी, भोजपुरी कलाकार एवं सुर संग्राम विजेता मोहन राठौर, भोजपुरी कलाकार प्रियंका पांडेय, अंतर्राष्ट्रीय नृत्य नाटिका की कलाकार सोनाली और तरुण चोपड़ा ग्रुप नृत्य नाटिका प्रस्तुत करेंगे।

शहर के आउटर में बनेंगी हाउसिंग बोर्ड की नई कालोनियां

रायपुर (ए)। हाउसिंग बोर्ड ने लोगों को बड़ी संख्या में मकान देने के लिए जगहों का चिन्हांकन कर लिया है। इसके तहत शहर के आउटर इलाकों में जमीनें भी तय कर ली गई है और जल्द ही प्रक्रिया शुरू करने की बात कही जा रही है। इसके तहत राजीव नगर आवासीय योजना के अंतर्गत गोगांव, मोवा, खरोरा, सिंगराभाठा-अभनपुर, उरला-अभनपुर, नायकबांधा-अभनपुर व सलोनी-अभनपुर में जगहों का चिन्हांकन कर मकान बनवाने का निर्णय लिया गया है।

जिसमें बड़े से लेकर छोटे और मध्यम सभी प्रकार के मकानों का निर्माण करवाया जाएगा। इसके तहत लोग मकानों के साइज और कीमत के आधार पर अपने लिए नया मकान खरीद सकेंगे। वहीं, बीते दिनों इसे लेकर कलेक्ट्रेट के भवन में हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा ने कलेक्टर सहित राजस्व अधिकारियों की बैठक ली थी। इसके बाद कलेक्टर ने सभी संबंधित जमीनों का आवंटन करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है।

वहीं, डंगनिया सहित सोनडोंगरी और जरवाय में बनवाए गए मकानों का नामांतरण करवाने की अनुमति मांगी है। इस पर कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों जहां जमीन आवंटित करने में कोई दिक्कत नहीं है, उनकी तत्काल एनओसी जारी करने के निर्देश संबंधित अफसरों को दिए हैं।

वहीं, सेरीखेड़ी में मकानों के साथ ही नकटी में विधायक निवास भी बनवाना प्रस्तावित है। इसके लिए हाउसिंग बोर्ड द्वारा तय कीमत भी जमा कर दी गई है। इसके बावजूद अब तक आवंटन नहीं दिया गया है।

जो ज्ञान के आनंद से शून्य है उसको जीवन में रोना पड़ता है: आचार्य विशुद्ध सागर

रायपुर (ए)। सन्मति नगर फाफाडीह में ससंघ विराजित आचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने रविवार को मंगल देशना में कहा कि जो व्यक्ति ज्ञान के आनंद से शून्य है, उसको जीवन में रोना पड़ता है। एक व्यक्ति के हाथ में 10 हजार रुपए हैं और एक व्यक्ति के मस्तिष्क में 10 श्लोक हैं,तो आप किसकी कीमत अधिक मानते हो? मैं 10 हजार की कीमत नहीं मानता हूं,10 श्लोक की कीमत बहुत बड़ी होती है। संसार में अरबपति, खरबपति प्रसन्न होते हैं, लेकिन ज्ञानी प्रसन्न नहीं होता, ज्ञानी तो आनंदित होता है। आनंद और प्रसन्नता में बहुत अंतर है,प्रसन्नता पर सापेक्ष है,प्रसन्नता परवस्तु के आलंबन से है।

आचार्य ने कहा कि मित्रों आपके सुख प्रसन्न होने के हैं,ये सुंदरता नष्ट हो जाएगी तो आपको रोना पड़ेगा, जितने संयोग मिले हैं आपको सबका वियोग नियत है। जो व्यक्ति ज्ञान के आनंद को नहीं समझा वह व्यक्ति भौतिक द्रव्यों में हर्षित हो रहा है, जिसने ज्ञानियों ज्ञान को समझ लिया है उसका जीवन में रोना नियत नहीं है, उसका मुस्कुराना नियत है। जब वर्धमान महावीर, तीर्थंकर ऋषभदेव का वियोग हो गया, चक्रवर्तियों का वियोग हो गया, तो हम और आप कहां हैं,हमारा भी वियोग निश्चित है, सबका वियोग है। जो मैं नहीं हूं उसका न संयोग है और न वियोग है, आत्मा ज्ञान स्वरूप है,आत्मा का ज्ञान दर्शन त्रैकालिक है।

आचार्य ने कहा कि जीवों के परिणामों को गिनना बहुत कठिन है। जितने जगत के चेहरे सुंदर दिखते हैं, वे उनके परिणामों की सुंदरता का फल है, ये पूर्व के परिणामों की सुंदरता का प्रभाव है। जिन-जिन लोगों के सुंदर चेहरे दिख रहे हैं,वे अपने चेहरे दर्पण में देखने जाना, लेकिन दर्पण में चेहरा देखते समय ध्यान रखना कि यह कार्य है, कारण नहीं है। पूर्व भव के,पूर्व पर्याय के आपने सुंदर परिणाम किए थे उसका फल यह सुंदर चेहरा मिला है। दर्पण में देखने से चेहरा सुंदर नहीं होगा। जैसे सांचे को देखकर गुजिया का बोध होता है, ईंट के सांचे को देखकर ईंट के आकार का बोध हो जाता है, ऐसे ही मित्रों वर्तमान के परिणामों को देखकर भविष्य की पर्याय का बोध हो जाता है।

राजकीय सम्मान के साथ विधानसभा उपाध्यक्ष स्व. मनोज मण्डावी को दी गई अंतिम विदाई

मुख्यमंत्री बघेल ने स्व. मण्डावी के गृह ग्राम पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपाध्यक्ष स्वर्गीय मनोज सिंह मण्डावी को विकासखण्ड कांकेर अंतर्गत उनके गृह ग्राम नथिया-नवागांव में आज शाम राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। दुख के इस घड़ी में मुख्यमंत्री बघेल उनके गृह ग्राम पहुंचकर स्वर्गीय मण्डावी के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इस दौरान विधानसभा उपाध्यक्ष स्वर्गीय मनोज सिंह मण्डावी के शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

स्वर्गीय श्री मण्डावी के अंतिम विदाई में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, उद्योग मंत्री कवासी लखमा, महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा श्रम मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, संसदीय सचिव शिशुपाल सोरी, वरिष्ठ विधायक मोहन मरकाम, राज्य खाद्य आपूर्ति निगम के अध्यक्ष राम गोपाल अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि तथा क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री बघेल विधानसभा उपाध्यक्ष श्री मण्डावी के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वे वरिष्ठ आदिवासी नेता थे। स्वर्गीय श्री मण्डावी छात्र जीवन से ही राजनीति से जुड़े हुए थे। उन्होंने नवगठित छत्तीसगढ़ के गृह राज्यमंत्री और विधानसभा के उपाध्यक्ष सहित अनेक महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित किया और प्रदेश की सेवा की। वे वर्ष 1998 में अविभाजित मध्यप्रदेश विधानसभा के तथा वर्ष 2013 और 2018 में छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। श्री मंडावी छत्तीसगढ़ आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष भी रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मनोज सिंह मंडावी आदिवासी समाज के बड़े नेता थे। वे आदिवासियों की समस्याओं को विधानसभा में प्रभावशाली ढंग से रखते थे। श्री मंडावी आदिवासी समाज की उन्नति और अपने क्षेत्र के विकास के लिए सदैव प्रयासरत रहे। विधानसभा उपाध्यक्ष के रूप में उनकी कार्यशैली को पक्ष और विपक्ष के सभी लोग प्रशंसा करते थे। सरल, सौम्य व मृदुभाषी व्यवहार वाले स्वर्गीय मनोज सिंह मण्डावी को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। प्रदेश के विकास में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा। उनका निधन क्षेत्र के साथ-साथ आदिवासी समाज और प्रदेश सहित हम सबके लिए अपूरणीय क्षति है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

बदलते मौसम में बीमार होने से बचने के लिए अपनाएं ये तरीके

बदलता मौसम में बीमार होने की संभावना बढ़ जाती है, लेकिन अगर आप चाहें तो इस धारणा को बदल सकते हैं। दरअसल, बदलते मौसम की मार उन्हीं लोगों को झेलनी पड़ती है जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। आइए आज हम आपको बताते हैं कि आप किस तरह से खुद को बदलते मौसम में बीमार होने से बचा सकते हैं ताकि आप दिवाली जैसे आने वाले त्योहारों का जमकर लुत्फ उठा सकें।

बदलते मौसम में हम बीमार क्यों पड़ते हैं?

कई विशेषज्ञों का मानना है कि मौसम परिवर्तन के दौरान बीमारी होने का प्रमुख कारण रोग प्रतिरोधक क्षमता का कमजोर होना है। इसके अलावा, जब भी मौसम में बदलाव होता है तो कई तरह के वायरस तेजी से हमला करने लगते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बीमार पड़ने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि होती है। इसलिए विशेषज्ञ रोग प्रतिरोधक को मजबूत करने वाली बात पर ज्यादा जोर देते हैं।

क्या हैं मौसमी बीमारियों के लक्षण?

बहती नाक, गले में खराश, ठंड लगना, शारीरिक दर्द और बुखार होने सबसे आम लक्षण हैं जो आप मौसमी बीमारी के दौरान अनुभव कर सकते हैं। कुछ लोगों को इसके कारण थकान और चक्कर आने की समस्या का भी सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि बीमारी के दौरान शरीर को रोजाना के कार्य करने और तापमान बनाए रखने के लिए अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इस दौरान होने वाला तेज बुखार किसी गंभीर स्थिति का संकेत दे सकता है।

बदलते मौसम में बीमार होने से कैसे बचें?

अगर आप बदलते मौसम के नकारात्मक प्रभाव से बचना चाहते हैं तो आपको रोजाना संतुलित आहार का सेवन करना चाहिए और रोजाना पर्याप्त नींद लेनी चाहिए। इसके अलावा, नियमित रूप से एक्सरसाइज करनी चाहिए, क्योंकि यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती और शारीरिक ऊर्जा बढ़ाने में सहायक है। पानी की खपत बढ़ाएं, फिर चाहे मौसम कोई भी हो। हमेशा 2.5 लीटर से अधिक पानी का सेवन करें। रोजाना सुबह कुछ मिनट धूप में रहें।

बदलते मौसम के दौरान अपने शरीर को समझें

बदलते मौसम में अपने शरीर पर अतिरिक्त ध्यान दें। उदाहरण के लिए देर शाम या रात को नहाना बंद कर दें, मौसम के हिसाब से ऊनी कपड़े पहनें, एयर कंडीशनर को चालू न करें और ठंडे पानी का सेवन करने से बचें।

बीमार पड़ने पर क्या करें?

अगर आप पहले से ही बदलते मौसम के कारण बीमार पड़ चुके हैं तो डॉक्टर से परामर्श करना सबसे अच्छा है। हालांकि, आप घरेलू उपचार के रूप में गर्म पानी पीना और फल खाना शुरू कर सकते हैं। जिंक और विटामिन-सी, विटामिन-डी और विटामिन- ए जैसे पोषक तत्वों से युक्त पौष्टिक भोजन करें। समय-समय पर अपने शरीर के तापमान की जांच करते रहें और दूसरों से दूरी बनाए रखने समेत पर्याप्त आराम करें।

किसी प्रोजेक्ट के लिए शिल्पा शेट्टी और शमिता शेट्टी ने मिलाया हाथ?

शिल्पा शेट्टी और शमिता शेट्टी दोनों बहनों में अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिलती है। अब चर्चाओं का बाजार गर्म है कि इन दोनों ने किसी खास प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। दरअसल, शिल्पा और शमिता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिससे दोनों के साथ काम करने की खबरों को बल मिला। कहा जा रहा है कि उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट के बारे में फैंस को एक संकेत दिया है।

अभिनेत्री शिल्पा ने वीडियो शेयर करते हुए अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, दिल थामकर बैठिए...क्योंकि बहुत जल्द आ रही है...मुंकी और टुंकी। उनके इस पोस्ट के बाद लोग कयास लगा रहे हैं कि उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट के बारे में संकेत दिया है। शेयर किए गए वीडियो में दोनों बहनें मस्ती के मूड में नजर आईं। इस वीडियो में शिल्पा का हाव-भाव देखने लायक है, वहीं शमिता ने अपने हाथों को हिलाते हुए पोज दिया।

शिल्पा और शमिता ने फिल्म फरेब में एक साथ काम किया है। यह थ्रिलर ड्रामा फिल्म 2005 में रिलीज हुई थी। दीपक तिजोरी ने इस फिल्म का निर्देशन किया था। फिल्म में अभिनेता मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। इस फिल्म के बाद शिल्पा और शमिता की जोड़ी को सिल्वर स्क्रीन पर नहीं देखा गया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि दोनों किस प्रकार के प्रोजेक्ट में नजर आएंगी।

पिछला साल शिल्पा के परिवार के लिए मुश्किल समय रहा था। पोर्नोग्राफी केस के मामले में शिल्पा के पति राज कुंद्रा के जेल जाने के बाद उनकी निजी जिंदगी विवादों में आ गई थी। सोशल मीडिया पर उनकी फिल्म हंगामा 2 के बायकॉट की बात भी चली थी। हालांकि, इस मामले में काफी समय पहले कुंद्रा को जमानत मिल गई। अब धीरे-धीरे शिल्पा की जिंदगी पटरी पर आ रही है। मुश्किल समय में भी शमिता ने शिल्पा का साथ दिया।

शिल्पा ने करियर की शुरुआत फिल्म बाजीगर से की थी। पहली फिल्म से ही वह दर्शकों के दिलों पर छा गई थीं। शिल्पा की अगली सफल फिल्म परदेसी बाबू थी, जो 1998 में रूपहले पर्दे पर आई थी। धड़कन एक ऐसी फिल्म है, जिसके जरिए शिल्पा ने लाखों प्रशंसकों की धड़कनें बढ़ा दी थीं। वह अपनी आगामी फिल्म सुखी में जल्द नजर आने वाली हैं। वह टीवी सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में भी नजर आएंगी।

बिग बॉस 15 में शामिल होकर शमिता ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। खासकर अभिनेता राकेश बापट के साथ रिलेशनशिप को लेकर वह चर्चा में रहती थीं। हालांकि, अब दोनों का ब्रेकअप हो चुका है।

इंडो वेस्टर्न अंदाज में दुल्हन बनीं रिया चक्रवर्ती

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती इन दिनों सोशल मीडिया अपनी तस्वीरों को लेकर सुर्खियों में छाई हुई रहती हैं। एक्ट्रेस हमेशा अपनी बोल्ड और सिजलिंग लुक्स से फैंस को दीवाना बना देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती हमेशा अपनी खूबसूरती और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस के कारण चर्चाओं में बनी रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका लुक बेहद ही गॉर्जियस दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रिया ने मल्टीकलर का फ्लोरल लुक में स्टाइलिश ड्रेस पहना हुआ है। एक्ट्रेस ने बेहद ही बोल्ड अंदाज में इतने लंबे समय बाद कमबैक किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती बेहद ही शानदार लग रही हैं। ओपन कर्ली हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। रिया चक्रवर्ती जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं, तो फैंस हमेशा उनकी तस्वीरों पर अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया लवर हैं। रिया इन तस्वीरों में बेहद ही किलर लुक्स में पोज देते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं।

'ड्रीम गर्ल 2' की तैयारी के लिए किशोर कुमार का गाना सुन रहे हैं आयुष्मान

अगर आप आयुष्मान खुराना की उत्कृष्टता और सफल स्ट्रीक के कारण के बारे में सोच रहे हैं, तो सीधे आयुष्मान से सुनें वह भारतीय सिनेमा के सबसे कुशल कलाकारों में से एक - गायक-अभिनेता-संगीतकार किशोर कुमार को अपना आदर्श मानते हैं। और यही बात आयुष्मान के काम में भी झलकती है, चाहे वह उनका अभिनय कौशल हो या संगीत प्रतिभा जो उनके पास है। उसी के बारे में बात करते हुए, आयुष्मान ने कहा, किशोर कुमार बहु-प्रतिभाशाली थे और एक कलाकार के रूप में, मैं हर मोड़ पर उनसे प्रेरणा लेता हूं। वह मेरे गुरु रहे हैं और उनका काम मुझे सीमाओं को पार करने और अज्ञात क्षेत्रों का पता लगाने के लिए प्रेरित करता है।

उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह अपनी सफल फिल्म 'ड्रीम गर्ल' के सीक्वल की शूटिंग के दौरान किशोर दा का सबसे सम्मानित ट्रैक 'आके सीधी लगी दिल पे' फिल्म 'हाफ टिकट' से सुन रहे हैं।

किशोर कुमार ने इस गाने के लिए पुरुष और महिला दोनों को आवाज दी थी और यह एक बड़ी हिट बन गई थी।

आयुष्मान ने कहा, जब से मैं ड्रीम गर्ल 2 की शूटिंग कर रहा हूं, तब से मैं किशोर दा का अद्भुत ट्रैक एक सीधी लगी दिल पे लूप पर सुन रहा हूं। उनकी आवाज जादुई है। अभिनेता सेट पर और गाड़ी चलाते समय, अपने शॉट्स के बीच में ट्रैक को सुनते रहते है क्योंकि इससे उन्हें अपने चरित्र के लिए बेहतर तैयारी करने में मदद मिलती है।

ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी यमकाथाघी एक सुपरनैचुरल थ्रिलर होगी

निर्देशक पेपिन जॉर्ज जयसीलन की यमकाथाघी, जिसका पहला लुक हाल ही में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना द्वारा जारी किया गया था, एक ग्रामीण पृष्ठभूमि में स्थापित एक सुपरनैचुरल थ्रिलर होगी। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म के निर्माण के लिए अभिनेता वेंकट राहुल, छायाकार सुजीत सारंग और संपादक श्रीजीत सारंग एक साथ आए हैं।

फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिल्म से जुड़े सूत्रों का कहना है कि, फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन का काम अब तेज गति से आगे बढ़ रहा है। सूत्रों का कहना है, ये दोस्त निर्देशक पेपिन जॉर्ज जयसीलन द्वारा इस फिल्म की पटकथा के वर्णन में तल्लीन हो गए और उन्होंने अपनी रुचि से फिल्म का निर्माण करने का फैसला किया।

नए कलाकारों को शामिल करते हुए फिल्म को रचनात्मक प्रक्रिया में बिना किसी समझौता के जुनून के साथ बनाया गया है। यमकाथाघी में रूपा कोडुवयूर मुख्य भूमिका निभा रही हैं। अन्य सदस्यों में नरेंद्र प्रसाद, गीता कैलासम, आर राजू, सुभाष रामासामी, हरिथा, पोकोर्डी, जय, प्रदीप और रामासामी शामिल हैं। यमकाथाघी की पूरी शूटिंग तंजौर के आसपास के गांवों में हुई। फिल्म नाइसत मीडिया वर्कस और सारंग ब्रदर्स प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है और पेपिन जॉर्ज जयसीलन द्वारा निर्देशित है।

दिल्ली क्राइम 2 के बाद रसिका दुग्गल मिर्जापुर के सीजन 3 में व्यस्त

स्ट्रीमिंग शो दिल्ली क्राइम 2 में अपने काम के लिए काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया पाने वाली अभिनेत्री रसिका दुग्गल का फिलहाल व्यस्त कार्यक्रम चल रहा है, क्योंकि वह कई परियोजनाओं की शूटिंग एक साथ कर रही हैं। दिल्ली क्राइम 2 के प्रमोशन और रिलीज को पूरा करने के बाद, अभिनेत्री ने लखनऊ में क्राइम-ड्रामा मिजार्पुर के सीजन 3 की शूटिंग फिर से शुरू कर दी है। इसके बाद वह एक नई फिल्म पर काम करना शुरू करने के लिए मुंबई लौट आईं, जहां वह नायिका की भूमिका निभाती नजर आएंगी और साथ ही साथ स्ट्रीमिंग फिल्म अधूरा के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग भी कर रही हैं।

अभिनेत्री फिल्म की शूटिंग के लिए गोवा भी जाएंगी। उसी पर टिप्पणी करते हुए, रसिका ने कहा, कई परियोजनाओं और शहरों के बीच बाजीगरी करना थोड़ा पागल हो सकता है। आदर्श रूप से, एक व्यक्ति अगले काम पर जाने से पहले एक समय में एक परियोजना को पूरा करना चाहेगा।

लेकिन इस तरह की चीजों की योजना बनाने की कोशिश करने के बावजूद, शेड्यूल कभी इस तरह से नहीं निकलता! लेकिन, मुझे लगता है, ये अच्छी समस्याएं हैं। उन्होंने आगे कहा, कभी-कभी मुझे लगता है कि अथक ऑडिशन करने और परियोजनाओं के बीच कई महीनों / वर्षों तक इंतजार करने के दिनों में और यह एक और जीवन जैसा लगता है। इन परियोजनाओं में मैं जो भूमिका निभा रही हूं वह एक दूसरे से बहुत अलग हैं यह एक अभिनेत्री के लिए बहुत खुशी की बात है। इसलिए व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद मैं हर पल का स्वाद चखने की कोशिश कर रही हूं। रसिका की आने वाली परियोजनाओं में मिजार्पुर 3, अधूरा, स्पाइक, लॉर्ड कर्जन की हवेली और फेयरी फोक शामिल हैं।

शरीर में हो रही है खुजली तो नीम के तेल के साथ लगाए यह चीज

आजकल कई लोग खुजली से परेशान रहते हैं। जी हाँ, खुजली होने की समस्या ऐसी है कि किसी के सामने अगर एक बार व्यक्ति शरीर खुजाने लगे तो उसे शर्म से लाल होना पड़ता है। जी हाँ, लेकिन इस शर्मिंदगी से बचने के लिए लोग खुजाए बिना दर्द सहने पर भी मजबूर हो जाते हैं। आपको बता दें कि खुजली छोटे जीवाणुओं के कारण हो सकती है जो शरीर पर खुजली के साथ-साथ जलन और फुंसी जैसे रैशेज की भी वजह बनते हैं। इसके अलावा कई बार खुजली फैलने वाली भी होती है जिसके चलते घर में किसी एक को हुई खुजली सब में फैल जाती है। जी दरअसल ज्यादातर उंगलियों, गर्दन, कलाई, पैरों और कमर के निचले हिस्से से खुजली शुरु होती है, इस वजह से इसे रोकने के लिए कुछ घरेलू उपायों को आजमा लेना चाहिए। आइए बताते हैं उन घरेलू उपायों के बारे में।

नीम:- नीम को खुजली पर बेहद असरदार माना जाता है। जी हाँ और आप शरीर पर नीम की पत्तियों को पीस कर भी लगा सकते हैं या इसके तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। जी दरअसल नीम के एंटी बैक्टीरियल गुण खुजली को कम करते हैं।

हल्दी:- हल्दी को नीम के तेल में मिलाकर पेस्ट तैयार करें और इस पेस्ट को खुजली वाली जगह पर लगाएं।

एलोवेरा:- खुजली वाली जगह पर एलोवेरा लगाने पर राहत महसूस होती है। जी दरअसल यह खुजली को फैलने से रोकता है। एलोवेरा को स्किन पर लगभग आधा घंटा लगाए रखने के बाद धो लें।

लौंग का तेल:- लौंग खुजली के दानों को कम करने में मदद करते हैं। हालांकि इसको लगाते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

नारियल का तेल:- शरीर पर नारियल का तेल लगाने पर खुजली में आराम मिलता है। जी हां और इसी के साथ ही नारियल का तेल लगाने पर आपको ठंडक भी महसूस होगी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.

रामा कोचिंग

135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां

उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

खास खबर

बीएमएस ने सेवा भारती को दी आर्थिक सहायता

कोरबा। भारतीय मजदूर संघ ने अपने संगठन के संस्थापक और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक रहे दत्तोपंत ठेंगड़ी के स्मरण दिवस पर कोरबा में सामाजिक सरोकार दिखाएं। अखिल भारतीय कोयला मजदूर संगठन की ओर से इस मौके पर 15 हजार रुपए की राशि का चेक सेवा भारती को समर्पित किया गया। सामाजिक क्षेत्र में सेवा भारती के द्वारा प्रकल्प संचालित करने के साथ बड़ी संख्या में लोगों को लाभान्वित करने का प्रयास किया जा रहा है। संगठन के द्वारा अनाथ बच्चों की सेवा करने के साथ मलिन बस्तियों में कई प्रकार की गतिविधियां चलाई जा रही हैं। हाल में ही महाराष्ट्र के पुणे की संस्था क्विक हील फाउंडेशन सेवा भारती को एंबुलेंस उपलब्ध कराई गई है । इसके माध्यम से मरीजों को अगली मंजिल तक भिजवाने के लिए काम किया जाएगा। जबकि 2 वर्ष पहले संस्था ने स्वर्ग रथ का संचालन प्रारंभ किया था। इसके माध्यम से अनेक दिवंगत को मुक्तिधाम तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई।

दंतेवाड़ा जेल लोक अदालत में 5 प्रकरण रखे गये, 2 का हुआ निराकरण

दंतेवाड़ा। राज्य स्तरीय वृहद जेल लोक अदालत का शुभारंभ न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी, न्यायाधीश, छ.ग. उच्च न्यायालय एवं कार्यवाहक अध्यक्ष सालसा के द्वारा केन्द्रीय जेल रायपुर से कार्यक्रम का वर्चुअल शुभारंभ वीडियों कांन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। जेल लोक अदालत में बंदियों के प्रकरणों में अपराध स्वीकार करना, प्ली- बारगेनिंग एवं शमनीय प्रकरण जो कि सीजेएम/न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के न्यायालय में लंबित है, के प्रकरणों को निराकरण का प्रयास किया गया। जिसमें जिला जेल दंतेवाड़ा में परिरूद्ध 06 बंदियों के 05 प्रकरण जेल लोक अदालत में रखे गये, जिसमें से 02 प्रकरणों का निराकरण किया गया। उच्च न्यायालय बिलासपुर के निर्देशानुसार राज्य स्तरीय वृहद जेल लोक अदालत का आयोजन जिला जेल दंतेवाड़ा में किया गया। इसमें जिला एवं सत्र न्यायाधीश दंतेवाड़ा अब्दुल जाहिद कुरैशी, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय कुमार सोनी, जेल अधीक्षक जी.एस.शोरी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ी फिल्म घरौंदा के पोस्टर का विमोचन हुआ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर के डी फिल्म निर्माता हेमनाथ खोब्रागडे द्वारा निर्मित एवं लेखक राजा खान द्वारा निर्देशित छत्तीसगढी फिल्म घरौंदा का पोस्टर विमोचन शनिवार 15 अक्टूबर को सुंदरनगर के बैस भवन में मुख्यअतिथि रायपुर ग्रामीण विधायक सत्यनारायण शर्मा, बीरगांव महापौर नंदलाल देवांगन,विधायक प्रतिनिधि इकराम अहमद और ठेलकडीह के थानाप्रभारी कोमल नेताम एवं छॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्म डिस्ट्रीब्यूअर लक्की रंगशाही ने किया।

इस अवसर पर डायरेक्टर राजा खान, फिल्म कीनायिका लवली अहमद मुंबई के अलावा फिल्म के हिरो रिंकू राजा, लालजी कोर्राम,मनीषा खोब्रागड़े, संजय जैन, शमशीर सिवानी, अमृता, अनिता यादव,डीओपी राहुल वर्मा, एक्ट्रेस स्वीटी, सोनू साहू, रानू वर्मा के साथ ही छॉलीवुड के प्रसिद्ध प्रोडयूसर अशोक तिवारी, निर्देशक सलीम खान, याकूब खान, प्रसिद्ध एक्टर विक्रम राज, सन्नो खान के साथ ही छॉलीवुड के वरिष्ठ पीआरओ दिलीपनाम पल्लीवार सहित छॉलीवुड के कई नामचीन व्यक्ति विशेष रूप से उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि इस फिल्म का मुहुर्त छॉलीवुड के प्रसिद्ध निर्देशक सतीश जैन ने ि किया था। फिल्म के निर्माता हेमनाथ खोब्रागड़े ने बताया कि यह फिल्म शुद्ध पारिवारिक और मनोरंजक फिल्म है जिसकी कहानी एकदम अलग हटकर है। इस फिल्म में नायक की भूमिका एलबम किंग रिंकू राजा और लालजी कोर्राम है तो नायिका की भूमिका कई सुप्रसिद्ध बंगला छत्तीसगढी, एवं उडिया फिल्मों में अपने अभिनय का जोहर दिखा चुकी हिरोईन लवली अहमद है।

फिल्म में छॉलीवुड के प्रसिद्ध कलाकार डॉ. अजय सहाय, एवं छॉलीवुड की निरूपा राय कही जाने वाली प्रसिद्ध एक्ट्रेस स्व.पुष्पांजलि शर्मा ,मनीषा खोब्रागड़े, संजय जैन, अनिता यादव ने फ़िल्म में बेहतरीन भूमिका निभाई है ! छत्तीसगढी एवं भोजपूरी फिल्मों के प्रसिद्ध एक्टर शमशीर सिवानी और अमृता ने जबर्दस्त कमेडी फ़िल्म में दिखाई देगी। संगीतकार मनोज दीवान, गीतकार धनराज साहू, सियाराम विश्वकर्मा ने मिलकर गाने कर्णप्रिय बनाये है। डांस मास्टर चंदनदीप, राम यादव, सोनू जगत के सयुक्त प्रयसो से बेहतरीन गानो का फिल्मांकन किया गया है फिल्म के सभी दृश्यों को अपने कैमरे में कैद करने का काम प्रसिद्ध डीओपी राहुल वर्मा ने किया है। वहीं प्रोडक्शन कंट्रोलर संतोष नारायण गुप्ता, सूरज वर्मा और सोनू है। फ़िल्म आगामी 16.दिसंबर को पूरे प्रदेश में प्रदर्शित की जावेगी ।

खूब पसंद आए हेडमेट प्रोडक्ट, जमकर हुई खरीदारी

स्वामी स्वरुपानंद महाविद्यालय हस्थशिल्प प्रदर्शनी से साकार हुआ वोकल फॉर लोकल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्वामी श्री स्वरुपानंद सरस्वती महाविद्यालय, हुडको, भिलाई में दीपावली से पहले हस्तनिर्मित चीजों की प्रदर्शनी लगाई गई।

जिसमें रंगबिरंगे मिट्टी के दीये, पानी में तैरने वाले दीये, बधाई संदेश वाले ग्रिटिंग कार्ड, रंगबिरंगे सजावटी फूल, जूट से बने पैन होल्डर, सुंदर बस्तर कला से सजा कलश, ब्लाक प्रिंट से तैयार वस्त्र हस्तनिर्मित आभूषण और न जाने कितने दर्जन भर से ज्यादा सजावटी चीजें व सृजनात्मकता व्यंजनों की भीनी-भीनी खूशबू, मुंह में पानी लाते व्यंजन की खूशबू, जिसे देखकर अंदाज लगाना मुश्किल था यह सारी वस्तुयें विद्यार्थियों ने तैयार किया है।

यह नजारा था आईक्यूएसी व उद्यमिता सेल के कार्यक्रम' कलाविथिका का, जिसमें दीपावली एग्जीबिशन कम सेल के आयोजन का विद्यार्थियों ने हस्तनिर्मित चीजों की प्रदर्शनी में विविध व्यंजनों के स्टॉल लगाए।

कार्यक्रम प्रभारी डॉ. शिवानी शर्मा ने बताया कि छात्रों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ कलात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित कर उनकी रचनात्मक क्षमता को विकसित कर उसे रोजगारोन्मुकी बनाने का प्रयास करना है। प्राचार्य डॉ.हंसा शुक्ला ने कहा कि विद्यार्थियों का रुझान उद्यमिता की ओर अधिक दिखाई दे रहा है ये अपनी रुचि, कौशल, बुद्धि का प्रयोग स्वरोजगार के लिये कर सकते है।

महाविद्यालय नई शिक्षा नीति के तहत् विद्यार्थियों को किताबी शिक्षा के साथ-साथ उनके कौशल विकास के लिए भी मंच प्रदान करता है जिससें विद्यार्थी भविष्य में सफ्ल उद्यमी बन सकें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंजू वोरा, ड़ॉ श्रुतिका ताम्रकर यादव, रितु पाल, डॉ.मोनिषा शर्मा उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक : निगम क्षेत्र के सभी जोन में खेले गए राज्य के पारंपरिक खेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के तहत नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में आयोजित की जा रही जोन स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत आज दूसरे दिन भी निगम के सभी 17 खेल जोन में छत्तीसगढ़ राज्य के पारंपरिक खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित हुई तथा विभिन्न खेल खेले गए।

महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने दर्री के वार्ड क्र. 44 स्थित लाल मैदान, डॉ.अंबेडकर स्टेडियम बालको तथा परसाभांठा स्कूल स्थित खेल स्थलों पर पहुंचकर खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ कराया। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने, उनका संरक्षण एवं संवर्धन करने, इन खेलों के प्रति लोगों में रूचि बढ़ाने के मद्देनजर छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन प्रदेश के नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में किया जा रहा है। नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में भी कलेक्टर श्री संजीव कुमार झा के मार्गदर्शन एवं आयुक्त श्री प्रभाकर पाण्डेय के दिशा निर्देशन व राजीव युवा मितान क्लब के आयोजकत्व में सम्पन्न हुए क्लब स्तरीय खेल आयोजनों के पश्चात दूसरे चरण में 15 अक्टूबर से जोन स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन प्र्रारंभ किया गया है। आज दूसरे दिन भी निगम के सभी 17 खेल जोन में पारंपरिक खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने दर्री के वार्ड क्र. 44 स्थित लाल मैदान, डॉ.अंबेडकर स्टेडियम बालको तथा परसाभांठा स्कूल स्थित खेल स्थलों पर पहुंचकर खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ कराया। उन्होने कहा कि खेलों में हार-जीत मायने नहीं रखती, खेल खिलाड़ी भावना के साथ खेला जाना चाहिए। इस मौके पर एम.आई.सी.सदस्य सुनील पटेल, पालूराम साहू, पदाधिकारी व सदस्यगण सहित काफी संख्या मे नागरिकगण व विभिन्न खेल विधाओं के खिलाड़ीगण उपस्थित थे।

रोका छेका अभियान में बाधा डालने वालों पर की जाएगी कार्यवाही : आयुक्त चंद्राकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा रोका छेका अभियान के तहत मवेशियों को पकड़ने आज सुबह कमिश्नर लोकेश चंद्राकार के मॉनिटरिंग के दौरान मौजूदगी में ओम परिसर अग्रेसन चौक एवं आईएमआई चौक के बीच मवेशियों को पकड़ने का अभियान शुरू किया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,अतिक्रमण अधिकारी शिव शर्मा एवं टीम अमला मौजूद रहें। निगम की अतिक्रमण टीम शहर में आवारा मवेशियों को पकड़ने घूमती रही।

मवेशियों को पकड़कर गोठान सहित शहर के बाहर छोड़ा जा रहा है। आवारा मवेशियों को पकड़ने की कार्रवाही अग्रेसन चौक,एमआई चौक, रायपुर नाका ओवरब्रिज, ग्रीन चौक,बोरसी, मालवीय नगर चौक,राजेन्द्र पार्क चौक सहित अन्य जगहों से मवेशियों को पकड़ा गया।सड़कों पर मवेशियों के जमघट से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। खासकर रात में मवेशियों के सड़क पर बैठे होने से और भी ज्यादा परेशानियां बढ़ जाती है। इन सब कारणों से नगर पालिक निगम टीम द्वारा लगातार मवेशियों को पकड़ा गया। कमिश्नर लोकेश चंद्राकार ने कहा कि मवेशियों को पकड़ने के लिए प्रशिक्षित टीम लगाई गई है। अतिक्रमण टीम एक साथ झुंड में बैठे पांच से दस मवेशियो को पकड़ सकती है। हालांकि मवेशियों को पकड़ना इतना आसान नहीं है, इसके लिए अतिक्रमणदस्ता की टीम रोका छेका अभियान लगातार आवारा पशुओ को पकड़ने की कार्यवाही कर रही है। कमिश्नर ने पकड़ने वाली टीम को निर्देश दिया कि पशु क्रूरता अधिनियम के तहत पशुओं को पकड़ा जाए, पकड़ते समय मवेशियों को किसी भी प्रकार से तकलीफना हो, सावधानी पूर्वक पकड़ने के लिए समझाइश दी गई।

नगर निगम की टीम काऊ केचर एवं रस्सी व आवश्यक संशाधनो के साथ फिल्ड में पहुंच रही है।रोका छेका के तहत आवारा पशुओं का धरपकड़ महाअभियान निरन्तर किया जा रहा है। रोका छेका महाअभियान में बाधा डालने वालो पर सख्त कार्रवाही की जाएगी।

छत्तीसगढ़ स्वीमिंग एसोसिएशन के दोबारा अध्यक्ष चुने गए गोपाल खंडेलवाल, सचिव बने साही राम झाखड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्वीमिंग एसोसिएशन के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव रविवार को होटल सेंट्रल पार्क में संपन्न हुए। इस दौरान अध्यक्ष से लेकर अन्य सभी पदों के लिए पदाधिकारियों का चयन किया गया। गोपाल खंडेलवाल फिर से छत्तीसगढ़ स्वीमिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए हैं। इनके अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष व कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव किया गया।

चुनाव अधिकारी के रूप में एडवोकेट सुभाष सतपति व सहायक चुनाव अधिकारी छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के उपाध्यक्ष बसीर अहमद खान थे। इनकी देखरेख में शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न हुए। इस दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष बंसी अग्रवाल, उपाध्यक्ष बद्री प्रसाद गुजर, विश्वजीत नाग, डॉ आलोक दुबे, गौरव खंडेलवाल, सचिव साईं राम झाखड़, सह सचिव हेमंत सिंह परिहार, बलराम भोई, महेश देसाई, सुमन मोथा, कोषाध्यक्ष परमिंदर सिंह तथा कार्यकारिणी सदस्य एसपी सिंह, गुरमीत सिंह, राजेश साहू, विजय श्यामकर व गोपी सुभाष चुने गए।

ग्राम तोरेंगा में मृतक के सहयोग के लिए प्रारम्भ किया गया नई परम्परा

गरियाबंद। ग्राम पंचायत तौरेंगा मे ग्रामीणों ने एक अलग मिशाल कायम करते हुय मृतक के परिवार वालो को अब किसी की मृत्यु होने पर उसे कपड़े ना ओढ़ा कर परिवार वालो को आर्थिक सहयोग करने की अपील करते हुय ग्राम तौरेंगा के हिन्दु संगठन के सदस्यों मे पिछले दिनों बैठक रखा जिसमे यह फैसला लिया गया की अब मृतक के परिजनों को यथा शक्ति सहयोग करना है और सब की सहमति पर हिन्दु संघटन के सदस्यो मे इसी क्रम मे शांता बाई यादव की मृत्यु आकस्मात गुरुवार रात को हो गया जिस पर ग्रामीणों सहित हिन्दु समाज सहित अन्य समाज के लोगो यथा शक्ति सहयोग किया।

हथियारों का जखिरा पकड़ाया, पुलिस ने चार बदमाशों से बरामद किए भारी मात्रा में हथियार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले में बड़ी वारदात की तैयारी कर रहे बदमाशों को पकड़ने में सफलता मिली है। पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है और उनके पास भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। पुलिस की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम को बड़ी सफलता मिली है। बताया जा रहा है दो गुट वर्चस्व की लड़ाई में हथियारों को जमा कर रहे थे और बड़ी वारदात की तैयारी कर रहे थे। एएसपी पारुल माथुर ने रविवार शाम को इसका खुलासा किया। भारी मात्रा में हथियार व जिंदा कारतूस बरामद कर चार बदमाशों को जेल भेज दिया गया।

बता दें बिलासपुर के पचपेड़ी इलाके में 17 साल के लड़के की गोली मारकर हत्या की थी। इस हत्याकांड के बाद एसएसपी पारुल माथुर ऐसे लोगों की जानकारी जुटाने का निर्देश दिया था जो अवैध रूप से हथियार रखे हुए हैं। इसकी जिम्मेदारी एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट को दी गई। इस दौरान एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम को तोरवा थाना क्षेत्र के लालखदान निवासी जय सिंह चौहान की जानकारी मिली जिसके पास देशी पिस्टल थी। इसके बाद जयसिंह चौहान को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो पता चला कि उसने अपने घर के कूलर में एक देशी पिस्टल, एक 315 बोर का देशी पिस्टल, एयरगन और कुछ जिंदा कारतूस छिपा रखा है। यही पूछताछ में उसने अपने अन्य साथियों के बारे में भी बताया जिनके पास हथियार रखे हुए हैं। पुलिस ने जयसिंह की निशानदेही पर उसके तीन साथियों को भी गिरफ्तार किया। इनके पास भी पुलिस ने देशी कट्टा सहित जिंदा कारतूस बरामद किए।

जानें किसके पास क्या-क्या मिला

लालखदान निवासी जयसिंह चौहान (27) के पास पुलिस ने 315 बोर देशी पिस्टल, एक राउंड, 12 बोर देशी पिस्टल व एयरगन बरामद किया। दूसरे आरोपी राहुल तिवारी (28) के पास देशी पिस्टल, 3 जिंदा कारतूस व खाली मैग्जीन मिला। इसी प्रकार सिरगिट्टी निवासी अंकित वर्मा उर्फचिराई (33) के पास पिस्टल, 3 जिंदा राउंड व एयरगन तथा लालखदान निवासी उमेश श्रीवास (27) के पास 315 बोर देशी कट्टा व एक जिंदा राउंड बरामद कियाय गया।

दो गुट बड़े वारदात की कर रहे थे तैयारी

एसएसपी पारुल माथुर ने बताया कि लालखदान में दो गुटों के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही है। इसके लिए दोनों गुट अपने गुर्गों को हथियार दे रहे थे। बड़ी वारदात की तैयारी में इन लोगों ने हथियार जमा कर रखे थे। पूछताछ के जयसिंह ने बताया कि उक्त हथियार इन लोगों ने यूपी-बिहार से मंगवाया था। सभी ने यूपी-बिहार से 20 से 30 हजार रुपए में यह हथियार मंगवाए थे। जय सिंह के अलावा पुलिस ने राहुल तिवारी, उमेश श्रीवास व अंकित वर्मा को भी गिरफ्तार किया और इनके पास से भ अवैध हथियार बरामद किए।

बीजापुर में नक्सलियों ने जनअदालत लगाकर की दो ग्रामीणों की हत्या

बीजापुर। जिले से रविवार को बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां पर नक्सलियों ने जन अदालत लगाक दो ग्रामीणों की हत्या कर दी दी है। दोनों नक्सलियों की हत्या का कारण पुलिस मुखबिरी का शक बताया जा रहा है। नक्सलियों ने पहले दोनों ग्रामीणों को अगवा किया और जन अदालत लगाकर उनकी हत्या कर दी।

मिली जानकारी के अनुसार के पुलिस मुखबिरी के शक में बीजापुर में नक्सलियों ने दो ग्रामीणों को मार डाला। नक्सल प्रभावित क्षेत्र पेद्दाकोरमा में जनअदालत लगाई और पेद्दाकोरमा निवासी राजू मोडियम और पूसनार निवासी दूला कोडमे की नक्सलियों ने हत्या कर दी है। हालांकि इस मामले में पुलिस ने अभी अपनी ओर से बयान जारी नहीं किया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस इसकी जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है कि जब दोनों युवाओं को नक्सली जन अदालत में लेकर पहुंचे और मौत की सजा सुनाई तो उनकी पत्नियां भी मौके पर ही थी। इस दौरान युवकों की पत्नियों ने अपने पतियों को छोड़ने की गुहार लगाई मिन्नते करते रहे लेकिन नक्सलियों ने एक नहीं सुनी और ग्रामीणों के सामने रस्सी से गला घोंट कर हत्या कर दी।

खड़ी गाड़ियों से डीजल चोरी करने वाले 5 गिरफ्तार, लाखों का डीजल बरामद

जांजगीर-चांपा। जंगल में खड़े वाहनों से डीजल चोरी कर अवैध भंडारण कर रखने वाले पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। धरपकड़ के लिए बलौदा और चांपा पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई थी। आरोपितों के कब्जे से पुलिस ने चोरी का तीन हजार लीटर डीजल और वारदात में प्रयुक्त दो पिकअप टैंकर और बोलेरो वाहन जब्त किया है। जब्त डीजल की कीमत तीन लाख रूपए बताई गई है। बलौदा क्षेत्र में चोरी कर अवैध डीजल भंडारण कर रखने की शिकायत पुलिस को लगातार मिल रही थी। जिस पर चांपा थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष परिहार के नेतृत्व में विशेष टीम के साथ ही बलौदा पुलिस स्टाफ ने ग्राम बुडगहन एवं सराईताल के कई ठिकानों पर दबिश दी। पुलिस ने सराईताल बुडगहन निवासी रमेश कुमार बरेठ, संतोष कुर्रे, बैजलपुर निवासी कृष्ण कुमार कश्यप, बिरगहनी निवासी प्रवीण कुमार कुर्रे और डिहारीन मंदिर सराईताल बुडगहन अभिमन्यु कुर्रे के कब्जे से बड़ी मात्रा में अवैध डीजल बिक्री के लिए रखा मिला। पुलिस ने आरोपित रमेश कुमार बरेठ से 800 लीटर डीजल कीमती 76 हजार रूपए और वारदात में प्रयुक्त वाहन पीकअप टेंकर क्रामंक सीजी 12 एआर 6883 को ज्ब्त किया। इसी तरह हरदी विशाल हाल मुकाम डिहारीन मंदिर सराईताल बुड़गहन निवासी संतोष कुर्रे से 1000 लीटर डीजल कीमती 95 हजार रूपए और वारदात में प्रयुक्त पीकअप टैंकर, बैजलपुर निवासी आरोपित कृष्ण कुमार कश्यप एवं बिरगहनी निवासी प्रवीण कुमार कुर्रे के पास से 500 लीटर डीजल कीमती 47 हजार 500 रूपए और वारदात में प्रयुक्त बोलरो वाहन क्रमांक सीजी 11 बीएफ2503 को ज्बत किया गया। वहीं हरदी विशाल हाल मुकाम डिहारीन मंदिर सराईताल बुडगहन निवासी अभिमन्यु कुर्रे से 800 लीटर डीजल कीमती 76 हजार रूपए को जब्त किया गया।

पत्नी पर कुल्हाड़ी व चाकू से हमला कर भागा पति, घायल पत्नी अस्पताल में भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ में पत्नी पर कुल्हाड़ी व चाकू से हमला करने का मामला आया है। सिरफिरे पति ने चरित्र पर शंका के चलते अपनी ही पत्नी पर चाकू व कुल्हाड़ी से हमला कर दिया और फरार हो गया। गंभीर हालत में पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने पति के खिलाफहत्या के प्रयास का केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। मामला रायगढ़ जिले के छाल थाना क्षेत्र का है।

छाल थाना पुलिस के अनुसार हेमा सिंह राजपूत की शादी धीरेंद्र सिंह राजपूत के साथ 12 साल पहले हुई थी। हेमा बिहार की रहने वाली है और धीरेन्द्र मुनुंद छाल जिला रायगढ़ का निवासी है। अब तक तो सबकुछ ठीक था लेकिन कुछ दिनों वे धीरेन्द्र अपनी पत्नी के चरित्र पर शंका करने लगा था। धीरेन्द्र को लगता था कि उसकी पत्नी का किसी तीसरे से प्रेम संबंध है और इसके कारण दोनों में विवाद होता था।

विवाद के कारण धीरेन्द्र ने अपनी पत्नी पर कुल्हाड़ी व चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को पहले नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया और वहां से उसे रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। इधर घटना की सूचना के बाद महिला के परिजन भी रायगढ़ पहुंचे और उसके पति के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद शनिवार को इस मामले में एफआईआर हुई। एफआईआर की जानकारी मिलते ही आरोपी पति धीरेन्द्र फरार हो गया और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

जमीन घोटाला: दुर्ग के व्यापारी ने महाराष्ट्र में किया था 11 एकड़ जमीन का सौदा, गिरफ्तार कर ले गई महाराष्ट्र पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग शहर के एक व्यापारी ने महाराष्ट्र में बड़ा जमीन घोटाला किया है। व्यापारी ने महाराष्ट्र में 11 एकड़ जमीन का सौदा किया और 5 करोड़ का चेक ले लिया। पैसे लेने के बाद जमीन देने में आनाकानी करने लगा। लगभग एक साल तक दुर्ग का व्यापारी महाराष्ट्र के व्यक्ति को जमीन के लिए घुमाता रहा। इसके बाद इसकी शिकायत थाने तक पहुंची और पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज का आरोपी की तलाश शुरू की। रविवार को महाराष्ट्र पुलिस की एक टीम दुर्ग पहुंची और घोटालेबाज व्यापारी को गिरफ्तार कर ले गई।

मिली जानकारी के अनुसार संतराबाड़ी दुर्ग निवासी कुलदीप सिंह (55) की गिरफ्तारी के लिए महाराष्ट्र की पुलिस पहुंची थी। महाराष्ट्र पुलिस की टीम ने मोहन नगर पुलिस की सहायता से संतराबाड़ी से कुलदीप को गिरफ्तार किया और अपने साथ ले गई। मोहन नगर पुलिस के अनुसार महाराष्ट्र पुलिस ने बताया कि कुलदीप सिंह ने पालघर जिला में एक साल पहले 11 एकड़ जमीन का सौदा किया था। वसई थाना क्षेत्र के रहने वाले राम लाल तिवारी ने यह जमीन खरीदी और एडवांस के रूप में पांच करोड़ का चेक भी दिया था। एडवांस लेने के बाद भी कुलदीप ने जमीन नहीं दी। साल भर घुमाता रहा इसके बाद इस मामले में शिकायत हुई।

फर्जी तरीके से किया था जमीन का सौदा

पुलिस के अनुसार जिस जमीन का सौदा कुलदीप सिंह ने अपना बताकर किया था वह उसका था भी नहीं। गलत पता, गलत नाम व खुद को वसई निवासी बताकर कुलदीप सिंह ने उक्त जमीन का सौदा किया। रामलाल तिवारी को इसकी जानकारी नहीं थी और उसने एडवांस के रूप में पांच करोड़ रुपए देकर एग्रीमेंट कर लिया। बाद में पता चला तो रामलाल के होश उड़ गए और उसने शिकायत दर्ज कराई। महाराष्ट्र पुलिस 15 दिन पहले भी दुर्ग पहुंची थी लेकिन उस दौरान कुलदीप घर पर नहीं मिला। रविवार को दोबारा पहुंची टीम ने उसे गिरफ्तार कर रिमांड लिया।

एक बाइक पर सवार थे 5 लोग, बोलेरो ने मारी ठोकर, एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। एक तेज रफ्तार बोलेरो की ठोकर से बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई। यह दर्दनाक सड़क दुर्घटना कोरबा जिले के गुरसिया-जटगा मार्ग पर ग्राम सलिहांभाठा के पास की है। जहां सामने से आ रही बोलेरो ने बाइक को टक्कर मार दिया। बाइक में एक साथ पांच लोग सवार थे। चारपहिया वाहन की ठोकर से एक बच्ची सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

एक ही परिवार के थे सभी लोग

पुलिस ने बताया कि घटना रविवार की है। विकासखंड पोड़ी उपरोड़ा अंतर्गत ग्राम खुज्जीपारा बाला का रहने वाला राजा मरपच्ची उम्र 27 वर्ष अपनी पत्नी कौशिल्या बाई उम्र 25 साल, पुत्री सोनिया उम्र छह साल, ढाई साल के पुत्र सुमित और अपने रिश्ते के भाई कृष्ण कुमार गोंड़ उम्र 24 साल के साथ बाइक से अपने ससुराल जा रहा था। तभी गुरसिया-जटगा मार्ग पर ग्राम सलिहांभाठा के पास सामने से आ रही बोलेरो ने बाइक को टक्कर मार दिया। सभी सड़क पर गिर गए। सिर में गंभीर चोटें आई। घटनास्थल पर तीन लोगों की मौत हो गई। इसमें राजा मरपच्ची, सोनिया और कष्ण कुमार गोंड़ शामिल है। घटना में कौशिल्या और उसके मासूम पुत्र सुमित को गंभीर चोटें आई है। दोनों को एम्बुलेंस से पोड़ी उपरोड़ा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। दोनों को गंभीर चोटें आई हैं।

नक्सलियों ने 5 वाहनों को किया आग के हवाले

कांकेर (ए)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने फिर जमकर उत्पात मचाया है। बीती रात नक्सलियों ने 5 वाहनों को आग के हवाले कर दिया. अंतागढ़ ब्लॉक के चारगांव में नक्सलियों ने दो चारपहिया सहित 5 वाहनों को आग के हवाले किया है। इसकी पुष्टि कांकेर एसपी शलभ सिन्हा ने की है.आपकों बता दें रविवार को भी नक्सलियों ने नारायणपुर के ओरछा मार्ग पर झोरीगांव के पास ब्लोयिंग मशीन और ट्रैक्टर को आग के हवाले किया था। इसके अलावा बीजापुर में नक्सलियों ने पुलिसकर्मी पर गोलियां बरसाई थी. इससे इलाके में खौफ का माहौल है।

मुठभेड़ में एसआई घायल, देर रात हेलीकॉप्टर से रायपुर रेफर

रविवार को शाम करीब 7 बजे बीजापुर के थाना तर्रेम अंतर्गत ग्राम चिनागेलुर की ओर पुलिस पार्टी गस्त सर्चिंग के लिए रवाना हुई थी। इस दौरान माओवादियों ने पुलिस बल पर फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्यवाही से माओवादी जंगल की आड़ लेकर भाग गए। मुठभेड़ में एसआई राजेश सूर्यवंशी घायल हुआ है। उन्हें जिला चिकित्सालय लाया गया और देर रात हेलीकॉप्टर से रायपुर रेफर किया गया। इसकी पुष्टि एडिशनल एसपी चंद्रकांत गवारना ने की ।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राजीव गांधी किसान न्याय योजना

26 लाख से अधिक किसानों को

1,745 करोड़ रु की तीसरी किस्त जारी

सरकार द्वारा अब तक 16,415 करोड़ रु की आदान राशि का भुगतान

न्याय का असर, किसानी बना फायदे का सौदा

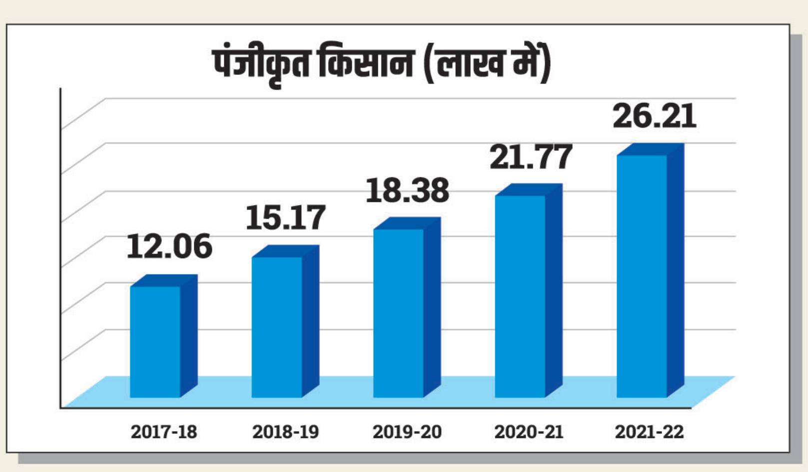

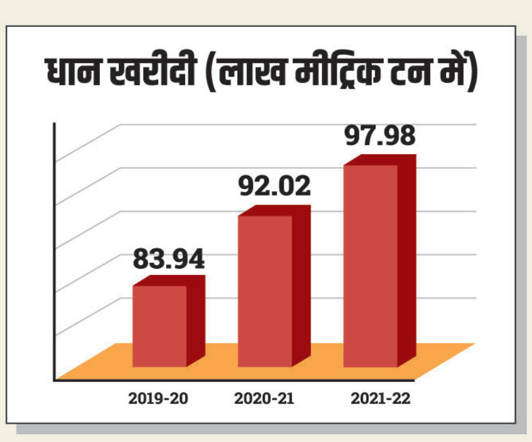

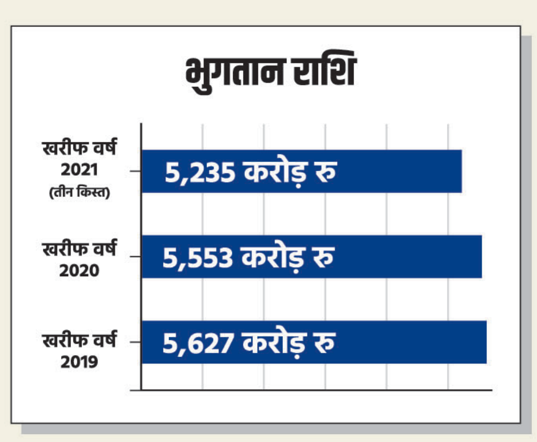

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर
अरहर, मूंग और उड़द दालों की खरीदी की अभिनव पहल

राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना

सालाना 7,000 रु की आर्थिक सहायता

4.66 लाख हितग्राहियों को 115.8 करोड़ रु का अतंरण

अब तक 326.75 करोड़ रु प्रदत्त

न्याय का बढ़ा दायरा

योजना में शामिल नए हितग्राही

पुजारी, बैगा, गुनिया, मांझी, हाट पहरिया और बाजा मोहरिया

गोधन न्याय योजना

ग्रामीणों, महिला स्व-सहायता समूहों
और गौठान समितियों को

5.59 करोड़ रु का अतंरण

योजना के तहत अब तक 338.14 करोड़ रु का भुगतान

गोधन से संवरती ग्रामीण अर्थव्यवस्था

शासन द्वारा 4 रु प्रति लीटर की दर से गोमूत्र एवं
2 रु प्रति किलो पर गोबर की खरीदी

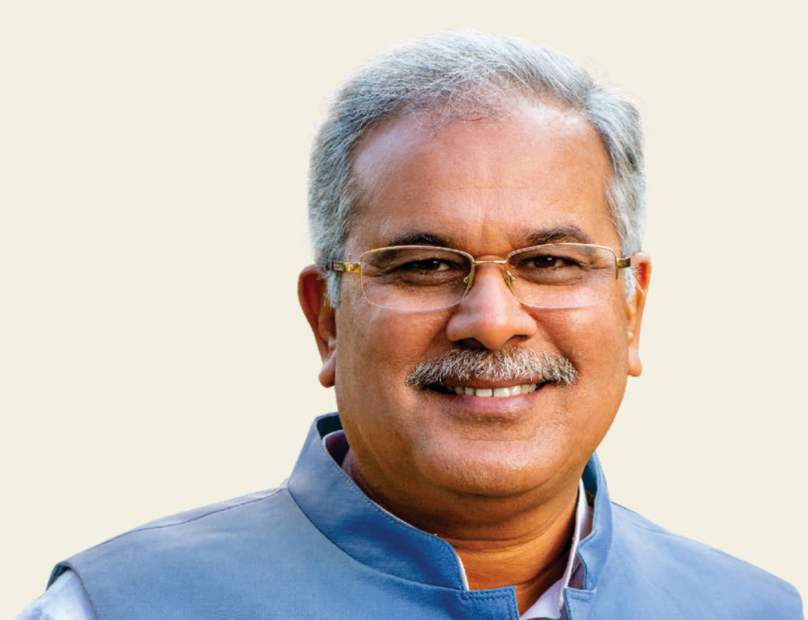

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

RO-34290/82

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950